छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 53 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

मुआवजा वितरण में भारी गड़बड़झाला, तहसीलदार-पटवारी अटैच

कलेक्टर द्वारा गठित जांच टीम ने पाया, जिनके नाम पर जमीन नहीं, उनके नाम भी लाखों का मुआवजा बना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मैनपाट में बॉक्साइट खदान के लिए जमीन लीज पर लेने और मुआवजा निर्धारण करने में बड़ी गड़बड़ी का पर्दाफास हुआ है। हैरत की बात यह है कि 19 करोड़ के मुआवजा वितरण में ऐसे लोगों के नाम भी मुआवजा का प्रकरण बनाया गया, जिनकी मौके पर जमीन ही नहीं है। लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के बेटे के नाम भी लाखों का मुआवजा प्रकरण बना दिया गया। कलेक्टर ने मामला उजागर होने के बाद मैनपाट के तहसीलदार और क्षेत्र के पटवारी को हटा दिया है।

जानकारी के मुताबिक, मैनपाट के बरिमा और उरंगा पंचायतों में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन को बाक्साइट खनन की लीज मिली है। इसके तहत प्रभावित किसानों को 7 साल का फसल मुआवजा दिया जाना है। उरंगा के 220 लोगों और बरिमा के 24 लोगों के नाम पर मुआवजा प्रकरण तैयार किया गया है। उरंगा में 15 करोड़ से ज्यादा और बरिमा में 4 करोड़ से अधिक की राशि प्रस्तावित है। मुआवजा के लिए तहसीलदार और एसडीएम स्तर से मंजूरी भी मिल चुकी है। शिकायत की जांच में सामने आया कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के घोटाले से जुड़े टामन सिंह सोनवानी के पुत्र अभिषेक सोनवानी के नाम पर भी मुआवजा प्रकरण बनाया गया है। मौके पर उनका फार्म हाउस बना हुआ है। फार्म हाउस को कृषि की जमीन बताकर मुआवजा प्रकरण बनाया गया। यही नहीं डीके सोनी के रिसॉर्ट का भी मुआवजा प्रकरण बना दिया गया है। मुआवजा प्रकरण तैयार करने में गड़बड़ी का खुलासा होने पर सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत ने मैनपाट के तहसीलदार ममता रात्रे और पटवारी को हटा दिया है। दोनों को कलेक्टोरेट कार्यालय में अटैच कर दिया गया है, और मुआवजा वितरण पर प्रशासन ने रोक लगा दी है।

कलेक्टर ने बनाई थी जांच टीम

सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत ने जांच के लिए अपर कलेक्टर सुनील नायक के नेतृत्व में जांच टीम बनाई थी। अपर कलेक्टर सुनील नायक राजस्व अमले के साथ गांव पहुंचे और मौके पर जांच कर पंचनामा बनाया। शुरुआती जांच में पता चला है कि, जिन लोगों की जमीन पर खेती नहीं हो रही थी, जिन लोगों की जमीन उरंगा और बरीमा ग्राम पंचायत में नहीं है, उनके नाम पर भी लाखों रुपये का मुआवजा प्रकरण बनाकर उन्हें देने की तैयारी चल रही थी।

इनके नाम जमीन नहीं, बना मुआवजा

जांच में सामने आया कि पुष्पा, चक्रधारी, बच्चू बाई, कविलासी, चित्रलेखा, रामसेवक एवं रामबली के नाम की जमीन अधिग्रहण क्षेत्र में नहीं है। इसके बाद भी इनके नाम लाखों का मुआवजा प्रकरण तैयार कर दिया गया। उरंगा में एक किसान की डेढ़ एकड़ जमीन के बदले 23 एकड़ का मुआवजा प्रकरण बना दिया गया था।

कौन बनेगा बांग्लादेश का प्रधानमंत्री, ये पांच नेता हैं सबसे बड़े दावेदार

नई दिल्ली। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश को नई सरकार मिलने जा रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के 18 महीने बाद बांग्लादेश में आम चुनाव हो रहे हैं। देश भर की कुल 299 सीटों पर मतदान के दौरान हिंसा की भी खबरें आई हैं। मतदान के बाद वोटों की गिनती का काम चल रहा है। बांग्लादेश में हिंसा एक चिंताजनक मुद्दा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1 से 10 फरवरी के बीच हिंसा की कम से कम 58 घटनाएं दर्ज की गईं। पिछले कुछ वक्त में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया। देश की खराब अर्थव्यवस्था के साथ ही ये तमाम चुनौतियां हैं जिनका सामना नए प्रधानमंत्री को करना होगा।

पांच कौन नेता हैं जो बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं

1- तारिक रहमान (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान को प्रधानमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। तारिक रहमान 17 साल तक लंदन में निर्वासन में रहे हैं। वह पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं।

2- शफीकुर रहमान (जमात-ए-इस्लामी) 11 दलों के गठबंधन का नेतृत्व करते हुए जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश (जेआईबी) के प्रमुख शफीकुर रहमान ने पार्टी को बीएनपी के मुकाबले में मुख्य प्रतिद्वंद्वी के तौर पर स्थापित किया है। यदि यह गठबंधन बहुमत हासिल कर लेता है तो वह देश के इतिहास में पहली इस्लामिक पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का नेतृत्व संभाल सकते हैं।

3- नाहिद इस्लाम (नेशनल सिटीजन पार्टी) क्रांतिकारी' नाहिद इस्लाम 2024 में हुए विद्रोह के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। उन्होंने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में सलाहकार के रूप में काम किया था। नाहिद इस्लाम बांग्लादेश के राजनीति में Gen Z का प्रतिनिधित्व करते हैं। नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) का गठबंधन जमात-ए-इस्लामी के साथ है

4- मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर (बीएनपी)बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान के लिए मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर 'प्लान बी' नेता हैं। अगर रहमान के सामने किसी तरह की कानूनी पेचीदगी या फिर प्रस्तावित 'जुलाई चार्टर' की वजह से मुश्किल आती है तो ऐसी स्थिति में आलमगीर एक विकल्प हो सकते हैं।

5- सैयद रेजाउल करीम (इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश) सैयद रेजाउल करीम चारमोनाई पीर के नाम से प्रसिद्ध हैं और इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश (आईएबी) का नेतृत्व करते हैं। आईएबी इस चुनाव में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है। सैयद रेजाउल करीम इस्लामिक विद्वान हैं और बांग्लादेश में उनके काफी संख्या में धार्मिक अनुयायी हैं। अगर बीएनपी या जेआईबी के नेतृत्व वाले गठबंधन को बहुमत नहीं मिलता है तो करीम किंगमेकर बन सकते हैं। किसी गठबंधन को समर्थन देने के बदले वह प्रधानमंत्री पद की मांग कर सकते हैं।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाला गिरफ्तार, 01 मोटरसायकल जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणीपुर थाना पुलिस ने चोरी की दोपहिया वाहन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जीवन ज्योति हॉस्पिटल मे बिलिंग का कार्य करने वाले विशाल कश्यप निवासी गंगापुर नालापारा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 04/01/26 को वह रोजाना की तरह मोटरसायकल पल्सर क्रमांक सीजी 15 डीके 8921 को पार्किंग स्टैंड में खड़ा करके अंदर काम करने गया था। ड्यूटी खत्म करके रात 8 बजे वापस आया तो मोटरसायकल नहीं था। रिपोर्ट पर धारा 305(ए) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर पुलिस ने विवेचना में लिया था। इसी क्रम में पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिला कि हर्राटिकरा निवासी रामेश्वर दास चोरी के वाहन में घूम रहा है। पुलिस टीम आरोपी अता उर्फ रामेश्वर दास पिता सखा दास 25 वर्ष निवासी हर्राटिकरा को घेराबंदी करके पकड़ी और आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए मोटरसायकल को जप्त कर लिया है। आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक सी.पी. तिवारी, सहायक उप निरीक्षक अनिल सिंह, आरक्षक सत्येंद्र दुबे, रामशंकर यादव, राजेंद्र लकड़ा, पवन गुलेरी सक्रिय रहे।

प्रतिबंधित क्षेत्र से कोयला चोरी करने के मामले में 21 गिरफ्तार

पुलिस ने 1.5 टन कोयला सहित 13 सायकल, 19 मोटरसायकल जप्त किया

अवैध कोयला उत्खनन करने के लिए किए गए गड्ढों को जेसीबी से समतल कराया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रतिबंधित क्षेत्र से कोयला चोरी करने के मामले में पुलिस ने 21 आरोपियों को गिरफ्तार करके 1.5 टन कोयला सहित 13 सायकल, 19 मोटरसायकल जप्त किया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा के दिशा-निर्देशन में थाना लखनपुर पुलिस टीम ने उक्त कार्रवाई की। आरोपियों के द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसकर संगठित तरीके से कोयला चोरी किया जा रहा था।

जानकारी के मुताबिक थाना लखनपुर स्थित अमेरा कोयला खदान में ग्रामीणों के द्वारा काफी संख्या में खदान में प्रवेश कर संगठित तरीके से कोयले की चोरी एवं तस्करी करने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। खदान सुरक्षा कर्मी द्वारा रोक-टोक करने पर ग्रामीण कोयला तस्करों के बचाव में एकत्र होकर गाली-गलौज एवं मारपीट करने पर उतारू हो जा रहे थे। इन शिकायतों को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा थाना लखनपुर पुलिस टीम को मौके पर जाकर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में थाना लखनपुर पुलिस टीम ने अमेरा खदान के प्रतिबंधित क्षेत्र से कोयला चोरी कर रहे आरोपियों को हिरासत में लेकर वैधानिक कार्रवाई की है। आरोपियों ने अमेरा ओपन कोयला खदान के आस-पास संगठित होकर कोयला चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों के विरुद्ध थाना लखनपुर में धारा 329(3), 303(2), 112(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है। आरोपियों को प्रकरण में गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस ने खदान के अतिरिक्त आसपास नदियों के मुहानों पर अवैध कोयला उत्खनन करने के लिए किए गए गड्ढों को जेसीबी से भरवाकर समतल कराया है। कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण तुल सिंह पट्टावी, थाना प्रभारी लखनपुर संपत पोटाई सहित थाना लखनपुर पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्टाफ सक्रिय रहे।

इन आरोपियों को गिरफ्तार की पुलिस

पकड़े गए आरोपियों में लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लटोरी निवासी पन्डरू राजवाड़े पिता खेलसाय 31 वर्ष, धनेश्वर राजवाड़े पिता राजदेव 30 वर्ष, सपुरन पिता रामदेव 45 वर्ष, भीन्गल राम पिता धरमसाय राजवाड़े 35 वर्ष, राजेन्द्र प्रसाद पिता जय प्रकाश 22 वर्ष सभी निवासी ग्राम जोधपुर, रामदेव पिता देवरतन 45 वर्ष, फेंकू राम पिता भोदरो राम 45 वर्ष दोनों निवासी गणेशपुर, अनुज यादव पिता बुधु राम यादव 22 वर्ष निवासी परसोड़ी, चंद्रभान पिता बोधन राम 40 वर्ष निवासी झाबर, अनीष राजवाड़े पिता जयराम राजवाड़े 40 वर्ष निवासी रजपुरी, सोनसाय पिता रमेश्वर 45 वर्ष निवासी बिनकरा, रजन प्रसाद उर्फ जगेश्वर पिता बंधन राम 38 वर्ष निवासी जयपुर के अलावा गांधीनगर थाना क्षेत्र से सुखसाय पिता रामनंदन 30 वर्ष, चमरू पिता रघुवीर 36 वर्ष, चंदलाल पिता चकधारी 30 वर्ष, बीरदेव पिता राम सिंह देव 24 वर्ष, रामकुमार पिता गजानंद 27 वर्ष, अमरेश पिता सोहना राम 25 वर्ष, मनीजर पिता चमरू राम 30 वर्ष, नीलम पिता सोनसाय 35 वर्ष सभी निवासी ग्राम सुखरी, हरेश प्रसाद पिता जाकी राम 30 वर्ष निवासी सोनपुर खुर्द शामिल हैं। इनसे कुल छह लाख रुपये का कोयला सहित अन्य सामान जप्त किया गया है।

दिवंगत निरीक्षक की पत्नि को नि:शुल्क पुलिस सैलरी पैकेज के तहत मिला 01 करोड़ का चेक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के पुलिस कर्मियों के लिए बनाए गए महत्वाकांक्षी योजना पुलिस सैलरी पैकेज के तहत एसबीआई के अधिकारियों द्वारा जिला जशपुर के दिवगंत निरीक्षक स्वर्गीय रामसाय पैकरा की पत्नि मुनेश्वरी पैकरा को एक करोड रुपये का जीवन बीमा सहायता प्रदान किया। रामसाय पैकरा सरगुजा रेंज अंतर्गत जिला जशपुर में थाना प्रभारी नारायणपुर के पद पर पदस्थ थे। वे पुलिस मुख्यालय द्वारा आयोजित चंदखुरी में सात दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में सम्मलित होने गए थे। रिफ्रेशर कोर्स समाप्ति पश्चात 27.07.2025 को अपने घर सुरगांव सीतापुर आए थे, इसी दौरान घर में बिजली करंट की चपेट में आने से उनका असामयिक निधन हो गया था। रामसाय पैकरा पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर जिला खरगोना मध्यप्रदेश में 01.06.1983 को नियुक्त हुए थे, उनकी पदोन्नति वर्ष 1995 में प्रधान आरक्षक के पद पर हुई। वर्ष 2004 में सहायक उप निरीक्षक, वर्ष 2009 में उप निरीक्षक के पद पर एवं 2014 से निरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए थे। अपनी सेवाकाल के दौरान वे पुलिस विभाग में विभिन्न जिलों में रहकर अपनी सेवा दिए थे। वर्तमान में जिला जशपुर में वर्ष 2022 से पदस्थ होकर कार्य कर रहे थे। सेवानिवृत्ति से करीब 6 माह पूर्व श्री पैकरा का करेंट लगने से असामयिक निधन हो गया। रामसाय पैकरा विभाग में बेहद सरल, सौम्य एवं व्यवहार कुशल व्यक्तित्व के धनी एवं अपने कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को तत्परतापूर्वक निर्वहन करने वाले व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के पुलिस कर्मियों के भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी नि:शुल्क पुलिस सैलरी पैकेज के तहत भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू किया गया है, जिसके तहत स्व. निरीक्षक रामसाय पैकरा की नामिनी पत्नि मुनेश्वरी पैकरा को एक करोड़ रुपये का जीवन बीमा सहायता चेक एसबीआई के उप महाप्रबंधक बिलासपुर आलोक रंजन, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अंबिकापुर अविनाश पाणिग्रही, मुख्य प्रबंधक एसबीआई अंबिकापुर शिरीष गीर एवं मुख्य प्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय अंबिकापुर चंदन राठौर द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा के द्वारा बैंक से आए सभी बैंक अधिकारियों को सहयोग प्रदान करने हेतु धन्यवाद दिया गया। यह सहायता न केवल परिवार को वित्तीय संबल के रूप में बल्कि विभागीय संवेदना व विभागीय उत्तरदायित्व के प्रतीक के रूप में प्रदान की गई।

एमओयू के तहत संचालित है कल्याणकारी योजना

एसबीआई नि:शुल्क पुलिस सैलरी पैकेज योजना पुलिस विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू के तहत संचालित एक कल्याणकारी योजना है। इस योजना के तहत जिन पुलिस कर्मियों के वेतन खाते एसबीआई में संचालित होते हैं। पुलिस कर्मी के दुर्घटना पर आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में उनके वैद्य नामिनी को 01 करोड़ रुपये का जीवन बीमा कवर, सामान्य मृत्यु की स्थिति में 10 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान किए जाने का प्रावधान है। बिलासपुर से आए एसबीआई के उप महाप्रबंधक बिलासपुर आलोक रंजन एवं एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक अंबिकापुर अविनाश पाणिग्रही द्वारा विभाग से अपील की गई है कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अपने वेतन खाते को अनिवार्य रूप से नि:शुल्क पुलिस सैलरी पैकेज के तहत रजिस्ट्रेशन करवाकर अपने परिवार का जीवन सुरक्षित कराएं। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा द्वारा एसबीआई के अधिकारियों को रेंज के समस्त पुलिस सैलरी पैकेज के तहत लंबित प्रकरणों का निराकरण कर वैद्य नामिनी को नियमानुसार सहयोग प्रदान करने हेतु चर्चा किया गया।

पहाड़ी कोरवा परिवारों को गांव में कलेक्टर के पहुंचने का है इंतजार

लखनपुर ब्लॉक के पटकुरा गांव में विकास शून्य, मूलभूत सुविधाओं का इंतजार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पटकुरा के पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोग मूलभूत सुविधाओं से दूर हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति की बसाहट पहाड़ों में घने जंगलों के बीच है, जहां विकास की मुख्यधारा आज तक नहीं पहुंच पाई है। गांव तक पक्की सड़क नहीं होने से बारिश के मौसम में कीचड़ और पहाड़ी रास्तों से गुजरना पड़ता है, जिससे इन्हें आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर किसी बीमार, गर्भवती महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाना हो, या बाजार जाना हो तो काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई घरों में बिजली का कनेक्शन नहीं पहुंचा है। जहां बिजली की सुविधा है, वहां के लोग अनियमित विद्युत सप्लाई के कारण अंधेरे में ही जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

पटकुरा गांव में प्राथमिक स्कूल है, लेकिन उच्च शिक्षा के लिए दूर जाना पड़ता है। शिक्षा के स्तर पर नजर डालें तो ज्यादातर बच्चों में विशेषकर छात्राएं स्कूल जाना छोड़ दी हैं। शिक्षकों की कमी और आने-जाने की सुविधा के अभाव के कारण शिक्षा की धारा से बच्चे दूर हो रहे हैं। गांव में पानी, स्वास्थ्य केंद्र, रोजगार के अवसरों का अभाव है। इस गांव में पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोग प्रकृति पर निर्भर हैं, लेकिन वनाधिकार और पट्टे की समस्या बरकरार है।

बता दें कि पहाड़ी कोरवा विशेष पिछड़ी जनजाति में आते हैं, जो सरगुजा, बलरामपुर, जशपुर जिलों में पहाड़ों पर अलग-थलग जीवन व्यतीत कर रहे हैं। शासन की ओर से इन्हें विकास की धारा से जोड़ने के लिए पानी की तरह पैसा बहाया गया, लेकिन अधिकांश पहाड़ी कोरवाओं तक विकास की किरण नहीं पहुंच पाई है। प्रधानमंत्री आवास, जनमन योजना, सोलर लाइट तक का लाभ इन्हें नहीं मिल पाया है। सरगुजा संभाग में पहाड़ी कोरवाओं की बसाहट वाले इलाकों से आए दिन पहाड़ी कोरवाओं की बदहाल स्थिति सहित अन्य शिकायतें सामने आती हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर सरगुजा से गांव का दौरा करने का आग्रह किया है, ताकि बुनियादी सुविधाओं की दिशा में सकारात्मक पहल हो सके।

कैसे साकार होगा सबका साथ-सबका विकास

अशिक्षा और गरीबी का चक्र तोड़ने के लिए गांव तक सुविधाओं के विस्तार की जरूरत महसूस की जा रही है। जनप्रतिनिधियों को भी इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे मामले न केवल स्थानीय प्रशासन के लिए चुनौती हैं, बल्कि राज्य सरकार की पीवीजीटी कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सवालों के घेरे में ले रहा है। सवाल उठ रहा है कि क्या पटकुरा जैसे गांवों तक सरकार का ध्येय 'सबका साथ-सबका विकास' साकार हो पाएगा?

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम बनी सरगुजा ओलंपिक : नेताम

तीन दिवसीय जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का हुआ समापन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का समापन समारोह आदिम जाति विकास तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय के खेल मैदान में संपन्न हुआ। 10 से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव ने ग्रामीण और शहरी अंचलों की प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान किया। मंत्री श्री नेताम ने स्वयं खेल मैदान में जाकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शंकरगढ़ एवं बलरामपुर के मध्य हो रहे बालिका रसाकस्सी प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस दौरान तीरंदाजी प्रतियोगिता का अवलोकन करते हुए स्वयं भी तीरंदाजी में हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। साथ ही जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को मंत्री श्री रामविचार नेताम ने शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया।

समापन समारोह में पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल, नगरपालिका अध्यक्ष श्री लोधीराम एक्का, उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानूप्रकाश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीइओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर व बलरामपुर एसडीएम श्री अभिषेक गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.आर. यादव, जिला खेल अधिकारी श्री मारकूस कुजूर, संबंधित अधिकारीगण एवं खिलाड़ी तथा आमनागरिक मौजूद थे।

जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक समापन समारोह में मुख्य अतिथि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि विकासखंड से लेकर जिला स्तर तक सरगुजा ओलंपिक का बेहतर और व्यवस्थित आयोजन किया गया है। यह पहल खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम बनी है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से विशेष रूप से आदिवासी अंचल के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का अवसर मिला है। उन्होंने चयनित सभी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर संभाग एवं राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने कहा कि तीन दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। जिला स्तरीय आयोजन से पूर्व विकासखंड स्तर पर भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी, जहां बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया। चयनित खिलाड़ियों ने जिला स्तर पर तीन दिनों तक उत्कृष्ट खेल कौशल और दमखम का प्रदर्शन किया। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में उच्च स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर जिले का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

गौरतलब है कि शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में सरगुजा ओलंपिक का सफल आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय ओलंपिक में खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय ओलंपिक में कुल 12 खेल विधाओं का आयोजन किया गया, जिसमें व्यक्तिगत खेलों के अंतर्गत एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 400 मीटर रिले), तीरंदाजी (इंडियन राउंड), बैडमिंटन, कुश्ती एवं कराटे तथा दलीय खेलों में फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी और बास्केटबॉल शामिल रहे। प्रतियोगिताएं जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष, बालक/बालिका) एवं सीनियर वर्ग (18 वर्ष से अधिक, महिला/पुरुष) में आयोजित की गई। जिले भर से पंजीकृत 67,380 प्रतिभागियों ने इस खेल उत्सव में भाग लिया।

डीएवी स्कूल में स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में 12 फरवरी को स्वामी दयानंद सरस्वती की 202 वीं जयंती श्रद्धाभाव से मनाई गई। इस अवसर पर सामूहिक वैदिक हवन का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती एवं अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर स्वामी दयानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आयोजन का शुभारंभ किया गया। संगीत शिक्षक नासिर खान एवं मनीष शर्मा के निर्देशन में विद्यालय की छात्राओं द्वारा सारी दुनिया जगाई दयानंद ने गीत की संगीतमय मनोरम प्रस्तुति दी प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना कर समाज सुधार के अनेक कार्य किए और धार्मिक उदारता एवं आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश की रचना कर सत्य के वास्तविक स्वरूप को लोगों तक पहुंचाया और वेदों का उद्धार किया। शिक्षा का प्रचार-प्रसार, सामाजिक व सांस्कृतिक उन्नयन एवं राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में उनका महान योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। हम सभी को उनके पथ चिन्हों पर चलकर समाज एवं राष्ट्र सेवा के कार्यों में हमेशा तत्पर रहना चाहिए। सामूहिक शांति पाठ के साथ आयोजन का सफल समापन किया गया।

बोर्ड परीक्षा के सफल संचालन हेतु डीईओ ने ली प्राचार्य और केंद्र अध्यक्षों की बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कक्षा दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षा के सफल संचालन के संबंध में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर के सभा कक्ष में जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में जिले के सभी परीक्षा केंद्र प्रभारी और संबंधित प्राचार्यों की एक दिवसीय प्रशिक्षण सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आगामी बोर्ड परीक्षाओं के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन हेतु नियुक्त सभी केंद्र अध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केंद्र अध्यक्ष परीक्षा केंद्र पर गोपनीयता, अनुशासन एवं शुचिता बनाए रखने के लिए पूर्णतः उत्तरदायी होंगे। प्रश्नपत्र एवं उत्तरपुस्तिकाओं की सुरक्षित प्राप्ति, भंडारण एवं समयानुसार वितरण सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। परीक्षा प्रारंभ से पूर्व कक्ष निरीक्षकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना तथा नकल एवं अनुचित साधनों पर प्रभावी रोक लगाना अनिवार्य रहेगा। साथ ही पर्याप्त बैठक व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, फर्स्ट एड बॉक्स एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के अलावा किसी भी आकस्मिक स्थिति की सूचना तत्काल उच्च अधिकारियों को देने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में बोर्ड परीक्षा संपन्न होने उपरांत उत्तरपुस्तिकाओं के गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध मूल्यांकन हेतु मास्टर ट्रेनर तथा पीएम श्री स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय रामानुजनगर के प्राचार्य पीसी सोनी द्वारा सभी मूल्यांकन केंद्र प्रभारियों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए। मूल्यांकन कार्य पूर्ण गोपनीयता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाएगा। मुख्य परीक्षक एवं सहायक परीक्षकों को मॉडल उत्तर एवं अंक विभाजन योजना के आधार पर पूर्व प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे मूल्यांकन में एकरूपता बनी रहे।

मूल्यांकन केंद्र प्रभारियों को उत्तरपुस्तिकाओं के सुरक्षित रख-रखाव, दैनिक प्रगति की समीक्षा तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपी गई है। किसी भी प्रकार की त्रुटि अथवा अनियमितता पाए जाने पर तत्काल प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा है कि परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है। सभी संबंधित अधिकारी एवं शिक्षक पूर्ण गंभीरता, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें, ताकि परिणामों की गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। बैठक में सहायक संचालक रविंद्र सिंहदेव, प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य सहित अन्य उपस्थित रहे।

भाजपा अजजा मोर्चा के महेंद्र जिला उपाध्यक्ष व बृजलाल मंडल अध्यक्ष नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष अजजा मोर्चा सत्यनारायण सिंह के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी के सहमति से अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय श्याम द्वारा अजजा मोर्चा की जिला कार्यसमिति एवं मण्डल अध्यक्षों की घोषणा की गई है। जिसमें वरिष्ठ भाजपा नेता ग्राम पंचायत बतरा निवासी महेन्द्र सिंह मार्को को संगठन का जिला उपाध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत रामनगर निवासी बृजलाल सिंह टेकाम को बिश्रामपुर मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्ति से संगठन कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

नशा मुक्ति संकल्प के साथ सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर द्वारा ग्राम कुरूवां में 2 से 8 फरवरी तक आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन नशा मुक्ति के संकल्प के साथ किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए। जिनमें प्रमुख रूप से नशा मुक्ति विषय पर गतिविधियां केंद्रित रहीं।

स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक, जन जागरूकता रैली एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है, इसलिए इससे दूर रहना आवश्यक है।कार्यक्रम अधिकारी डीपी कोरी ने बताया कि शिविर में रहकर स्वयंसेवकों ने अनुशासन, समाज सेवा और सामूहिक कार्य की भावना को आत्मसात किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रितेश जायसवाल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत कुरूवां के सरपंच अनेश टोप्पो एवं नगर पंचायत बिश्रामपुर के उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, प्राचार्य डीपी पुरी शामिल रहे। अतिथियों ने स्वयंसेवकों को जीवन में अनुशासन एवं कर्तव्य पालन का महत्व बताया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा छत्तीसगढ़ शासन एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिथि व्याख्याता अंकुश सिंह सिसोदिया तथा आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया।

जिला कांग्रेस कमेटी की जरीना सचिव व लिली संयुक्त महामंत्री नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज ने जिलाध्यक्ष शशि सिंह की अनुशंसा पर जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिसमें लटोरी ब्लाक के ग्राम पंचायत कसकेला निवासी जरीना सुल्ताना को जिला सचिव व सलका ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत बतरा निवासी लिली राजवाड़े को जिला संयुक्त महामंत्री नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्ति से संगठन कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

लेबर कोड के विरोध में बिश्रामपुर में गूंजा श्रमिक असंतोष, फिर भी लक्ष्य पार करने का दावा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नए चार लेबर कोड के खिलाफ 12 फरवरी को आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल ने कोयलांचल बिश्रामपुर में भी अपनी दस्तक दी। सुबह की पहली पाली में खदानों का नजारा बदला-बदला सा रहा।मुख्य गेट पर कम होती उपस्थिति, कर्मचारियों के छोटे-छोटे समूहों में चर्चा और यूनियनों के बैनर-पोस्टर के बीच कामकाज की धीमी रफ्तार रही। हालांकि दिन चढ़ते-चढ़ते तस्वीर कुछ बदली और उत्पादन ने फिर से रफ्तार पकड़ ली। सुबह की शिफ्ट में नियमित कर्मचारियों की उपस्थिति सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। कई खदानों में मशीनें तो चलीं, पर पूरी क्षमता से नहीं। इसका असर उत्पादन और डिस्पैच दोनों पर पड़ा। ट्रांसपोर्ट लाइन में ट्रकों की आवाजाही कुछ समय के लिए धीमी हुई, जिससे कोयला लोडिंग प्रभावित हुई, लेकिन दोपहर बाद दूसरी पाली में हालात काफी हद तक सामान्य हो गए। आउटसोर्सिंग से संचालित खदानों में कामकाज निर्बाध जारी रहा, जिसने कुल उत्पादन को संभाल लिया। प्रबंधन का दावा है कि दैनिक उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा, हालांकि डिस्पैच में

आंशिक गिरावट संभव है। ज्ञात हो कि बिश्रामपुर क्षेत्र से प्रतिदिन लगभग 12 हजार टन या उससे अधिक कोयले का उत्पादन होता है। ऐसे में एक दिन की आंशिक हड़ताल भी हजारों टन के उतार-चढ़ाव का कारण बन सकती है। सूत्रों के अनुसार वास्तविक असर का आंकड़ा रात्रि पाली के बाद ही स्पष्ट होगा, क्योंकि अंतिम उत्पादन और डिस्पैच रिपोर्ट उसी के बाद सामने आती है। इस हड़ताल में भारतीय मजदूर संघ बीएमएस को छोड़कर कोयला उद्योग की चार प्रमुख यूनियन एचएमएस, एटक, इंटक और सीटू शामिल रहीं। क्षेत्र में दिनभर यह चर्चा भी गर्म रही कि हड़ताल में शामिल कुछ यूनियनों के क्षेत्रीय व यूनिट पदाधिकारी ड्यूटी पर देखे गए। इससे श्रमिकों के बीच असमंजस और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ कर्मचारियों ने इसे रणनीतिक लचीलापन बताया, तो कुछ ने इसे एकजुटता में दरार माना। बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने स्पष्ट कहा कि आउटसोर्सिंग खदानों के संचालन से उत्पादन पर व्यापक असर नहीं पड़ेगा। सामान्य दिनों की तरह हम लक्ष्य पार कर लेंगे। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। वहीं श्रमिक संगठनों का तर्क है कि नए लेबर कोड से नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, ओवरटाइम नियम और यूनियन अधिकारों पर असर पड़ेगा। उनका कहना है कि यदि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं हुआ तो आंदोलन आगे और तेज हो सकता है। ज्ञात हो कि कोल बेल्ट की धड़कन पर नजर बिश्रामपुर क्षेत्र की खदानें न केवल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, बल्कि हजारों परिवारों की रोजी-रोटी का आधार भी हैं। ऐसे में हर हड़ताल केवल उत्पादन का सवाल नहीं, बल्कि श्रमिक अधिकारों और औद्योगिक संतुलन की परीक्षा भी बन जाती है। फिलहाल हड़ताल का असर सीमित जरूर रहा, पर इसने यह संकेत दे दिया है कि लेबर कोड का मुद्दा अभी शांत नहीं हुआ है। आने वाले दिनों में श्रमिक संगठनों और प्रबंधन के बीच संवाद की दिशा ही तय करेगी कि कोल बेल्ट में शांति बनी रहेगी या फिर आंदोलन की आंच और तेज होगा।

पीएम श्री सेजेस जयनगर के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएम श्री सेजेस जयनगर के विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने आकाशवाणी केंद्र अंबिकापुर, मौसम विभाग तथा हनीबी पार्क का दौरा कर विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को आकाशवाणी केंद्र के वरिष्ठ अभियंता अरुण श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को आकाशवाणी की कार्यप्रणाली एवं प्रसारण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी केंद्र से प्रसारित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम देश की जनजातीय सभ्यता और संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों को बताया गया कि आकाशवाणी केंद्र में मुख्य रूप से दो विभाग कार्यरत हैं, इंजीनियरिंग विभाग

एवं सांस्कृतिक विभाग। दोनों विभागों के समन्वय से विभिन्न कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।विद्यार्थियों ने जाना कि आधुनिक मशीनों की सहायता से ध्वनि रिकॉर्डिंग, संपादन, एडिटिंग तथा ट्रांसमीटर एवं एम्प्लीफायर के माध्यम से प्रसारण की प्रक्रिया किस प्रकार संपन्न होती है। साथ ही भारत सरकार द्वारा संचालित आकाशवाणी मोबाइल ऐप के बारे में भी जानकारी दी गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मौसम विभाग का दौरा किया, जहां शिवानी मिश्रा ने विभिन्न मौसम मापक उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को इवैपोरेशन मीटर द्वारा पानी के वाष्पीकरण की मात्रा ज्ञात करने की प्रक्रिया समझाई गई। एनीमोमीटर से हवा की गति तथा विंड वेन से हवा की दिशा मापने की जानकारी दी गई। साथ ही स्टीवेंसन स्क्रीन में लगे चार थर्मामीटर, अधिकतम, न्यूनतम, ड्राई बल्ब एवं वेट बल्ब कार्यों के बारे में बताया गया, जिनसे तापमान एवं आर्द्रता का मापन किया जाता है। विद्यार्थियों ने ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन के बारे में भी जानकारी प्राप्त की, जहां से सभी मौसम संबंधी आंकड़े स्वचालित रूप से दर्ज होकर रडार के माध्यम से दिल्ली भेजे जाते हैं।अंतिम चरण में विद्यार्थी हनीबी पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने मधुमक्खियों के जीवन चक्र और शहद निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जाना।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े गृहग्राम में नवनिर्मित शिव मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा में हुई शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कैबिनेट मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने गृह ग्राम बीरपुर में नवनिर्मित शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह अंतर्गत बुधवार को प्रातः राम मंदिर पासंग नाला से कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। कलश यात्रा शिव मंदिर परिसर तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न कराई गई। कार्यक्रम के दौरान भंडारे का आयोजन किया गया, वहीं रात्रि में भजन-कीर्तन के माध्यम से भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सौहार्द, एकता और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने ग्रामवासियों को बधाई देते हुए कहा कि नवनिर्मित शिव मंदिर ग्राम बीरपुर में आस्था और सांस्कृतिक चेतना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, अनिल सिंह मेजर, भीमसेन अग्रवाल, अजय गोयल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अभिषेक श्रीवास्तव बने जिला महामंत्री, कमलेश दुबे व संजीव सेठी जिला सचिव नियुक्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भटगांव। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला/शहर कांग्रेस कमेटी की अनुमोदित कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही सूरजपुर जिले में संगठनात्मक फेरबदल को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। जारी सूची के अनुसार अभिषेक श्रीवास्तव को जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर का महामंत्री नियुक्त किया गया है, वहीं कमलेश दुबे और संजीव सेठी को जिला सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से यह नियुक्तियां की गई हैं।

अभिषेक श्रीवास्तव लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े रहे हैं और विभिन्न कार्यक्रमों, जनआंदोलनों व संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी सक्रियता और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए उन्हें जिला महामंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में कमलेश दुबे और संजीव सेठी को जिला सचिव बनाया गया है। दोनों ही कार्यकर्ता पार्टी के प्रति समर्पित माने जाते हैं और पूर्व में भी संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय योगदान देते रहे हैं। उनकी नियुक्ति से पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेश नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने संगठन को मजबूत करने, आम जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया। जिले के कांग्रेस कार्यकताओं में इन नियुक्तियों को लेकर उत्साह का माहौल है। नेताओं का मानना है कि नई टीम के गठन से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और आगामी समय में पार्टी और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगी।

विचाराधीन कैदियों के कोर्ट परिसर से फरार होने पर पुलिस में हड़कंप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कोर्ट परिसर से सेंट्रल जेल में बंद दो विचाराधीन कैदियों के फरार होने का मामला सामने आया है। दोनों कैदियों को पेशी के लिए अदालत लाया गया था, लेकिन सुनवाई से पहले ही वे पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भाग निकले। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार फरार कैदियों की पहचान राजेश मारकण्डेय और तुलाराम मारकण्डेय के रूप में हुई है। दोनों हत्या के प्रयास समेत अन्य गंभीर धाराओं में न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद थे। बताया जा रहा है कि पेशी के दौरान वे कोर्ट मोह?र की अभिरक्षा में थे और इसी बीच मौका पाकर फरार हो गए। कैदियों के लापता होने की जानकारी मिलते ही पुलिसकर्मियों ने पहले अपने स्तर पर तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद जेल प्रबंधन और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर शहर में नाकेबंदी कर दी है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

स्कूलों के फेयरवेल पार्टियों में स्टंटबाजी पर सख्ती के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश की जरूरत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राज्य बालक अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों के फेयरवेल कार्यक्रमों और अन्य छात्र आयोजनों के दौरान बढ़ती स्टंटबाजी और जोखिमपूर्ण गतिविधियों को देखते हुए सख्त कदम उठाने की पहल की है। आयोग ने स्कूल परिसरों में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश लागू करने की सिफारिश की है। आयोग ने लोक शिक्षण संचालनालय, सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर कहा है कि छात्र-आयोजित कार्यक्रमों के लिए ठोस नियम निर्धारित किए जाएं। किसी भी फेयरवेल या अन्य आयोजन की पूर्व सूचना स्कूल प्रबंधन को देना अनिवार्य हो तथा कार्यक्रम शिक्षकों की निगरानी और तय प्रोटोकॉल के तहत ही आयोजित किए जाएं। आयोग का कहना है कि किशोरावस्था में उत्साह और रोमांच की भावना स्वाभाविक है, लेकिन यह बच्चों की सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकती। यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो ऐसी गतिविधियां गलत परंपरा का रूप ले सकती हैं और भविष्य में गंभीर हादसों का कारण बन सकती हैं। निदेशों में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि किसी स्कूल में जोखिम भरे स्टंट या अनुचित गतिविधि की शिकायत मिलती है तो संस्था प्रमुख से स्पष्टीकरण मांगा जाए और आवश्यक होने पर चेतावनी जारी की जाए। जरूरत पड़ने पर पुलिस अधिकारियों को भी स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को जागरूक करने और सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कहा जा सकता है।

व्हाट्सएेप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग को हाईकोर्ट ने माना वैध साक्ष्य

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। वैवाहिक विवादों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की स्वीकार्यता को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। पारिवारिक न्यायालय को विवाद के प्रभावी निपटारे के लिए अदालत ने स्पष्ट किया है कि ऐसे दस्तावेज या सामग्री को भी साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने का अधिकार है, जो सामान्यतः साक्ष्य अधिनियम के तहत मान्य न हों। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने पत्नी की याचिका खारिज कर दी और फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। मामला रायपुर निवासी एक दंपत्ति से जुड़ा है। पति ने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दायर करते हुए पत्नी के अन्य लोगों के साथ कथित व्हाट्सएेप चैट और कॉल रिकॉर्डिंग को रिकॉर्ड पर लेने की मांग की थी। पत्नी ने इसका विरोध करते हुए आरोप लगाया कि पति ने उसका मोबाइल फोन हैक कर अवैध रूप से यह सामग्री हासिल की है, जो उसके निजता के अधिकार का उल्लंघन है। फैमिली कोर्ट ने पति की अर्जी स्वीकार कर ली थी, जिसे पत्नी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। एकलपीठ के न्यायाधीश जस्टिस सचिन सिंह राजपूत ने सुनवाई के दौरान कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त निजता का अधिकार पूर्ण (एब्सोल्यूट) नहीं है। निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार सार्वजनिक न्याय से जुड़ा है और कई परिस्थितियों में यह व्यक्तिगत निजता से ऊपर हो सकता है। अदालत ने टिप्पणी की कि यदि केवल निजता का हवाला देकर प्रासंगिक साक्ष्य को रोका जाए, तो फैमिली कोर्ट की स्थापना का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। कोर्ट ने फैमिली कोर्ट अधिनियम की धारा 14 का उल्लेख करते हुए कहा कि पारिवारिक न्यायालय को विवाद के समाधान में सहायक किसी भी सामग्री को साक्ष्य के रूप में स्वीकार करने की शक्ति प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि यदि साक्ष्य प्रासंगिक है, तो उसे केवल इस आधार पर अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि वह किस प्रकार प्राप्त किया गया। अदालत ने यह भी कहा कि न्यायालय का दायित्व है कि वह दोनों पक्षों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखे। इन सभी तथ्यों पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने पत्नी की याचिका को निरस्त कर दिया और फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराया।

शासकीय महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। नवीन शासकीय महाविद्यालय में 11 एवं 12 फरवरी को दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण एवं भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर स्वामी आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य महेश प्रजापति तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथनगर के प्राचार्य जे एल साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन वॉलीबॉल प्रतियोगिता से किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने जोश और खेल भावना के साथ भाग लिया। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. सुधीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि यह अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता के दौरान वॉलीबॉल के अतिरिक्त कबड्डी, खो-खो, दौड़, लंबी कूद, गोला,तवा, भाला फेंक तथा साहित्यिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं खेल भावना के साथ सहभागिता निभाई। प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया। मंच संचालन करते हुए श्री प्रवीण मिश्रा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियाँ व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

आयकर विभाग का कोल व्यापारी के ठिकानों पर छापा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई से शहर के कारोबारी जगत में हड़कंप मच गया। आयकर विभाग की टीम ने कोयला व्यापारी प्रवीण झा के फील ग्रुप से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। कार्रवाई की खबर फैलते ही व्यापारिक हलकों में चचाओं का दौर शुरू हो गया। जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की बड़ी टीम सुबह अचानक शहर पहुंची और फील ग्रुप के कार्यालय, आवास एवं फैक्ट्रियों में सघन जांच शुरू कर दी। एसआईआर सर्वे टीम के स्टीकर लगी गाड़ियां विभिन्न स्थानों पर देखी गईं। विभाग की अलग-अलग टीमें एक साथ कई ठिकानों पर दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाल रही हैं। घुटकू स्थित प्लांट और रामा वर्ल्ड स्थित आवास पर भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है। यहां कंप्यूटर हार्ड डिस्क, फाइलें और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान संबंधित परिसरों में बाहरी लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई है तथा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 12 बजे से अधिकारी दस्तावेजों का मिलान कर रहे हैं।

सीसीटीवी में कैद हुआ चोरी का संदिग्ध

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। देर रात दयालबंद क्षेत्र के नारियलकोठी में चोरी की घटना सामने आई है। घरवाले सोते रहे और चोर घर में घुसकर आलमारी से 50 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गया। पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। कोतवाली पुलिस के अनुसार प्रॉपर्टी डीलर मनजीत सलूजा उर्फ निक्कू, निवासी दयालबंद नारियलकोठी, 10 फरवरी की रात करीब 10 बजे परिवार के साथ भोजन कर सो गए थे। रात लगभग 12:15 बजे उनकी भतीजी ने फोन कर घर में किसी के घुसने की सूचना दी। इसके बाद वे अपने भाई और भतीजे के साथ ऊपर कमरे में पहुंचे, लेकिन तब तक चोर भाग चुका था। जांच में आलमारी से 50 हजार रुपये नकद गायब मिले। सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात युवक दरवाजे से कूदकर भागते दिखाई दे रहा है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर फुटेज के आधार पर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

डीजे को लेकर विवाद में युवक की मौत, गांव में पसरा मातम

तीन नामजद समेत पांच पर मुकदमा, दो हिरासत में; फरार आरोपियों की तलाश तेज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम हरिजनपुर में शादी समारोह के दौरान डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी झड़प में बदल गया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल मुनीब चौहान की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम के साथ तनाव का माहौल बना हुआ है। एहतियातन पुलिस बल तैनात कर शांति व्यवस्था कायम रखने की कोशिश की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार 10 फरवरी की रात गांव में बालचंद के घर शादी समारोह चल रहा था। कार्यक्रम के दौरान डीजे बजाने और आवाज को लेकर कुछ लोगों के बीच कहासुनी शुरू हुई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि मामूली विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। इसी दौरान मुनीब चौहान को गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजन और ग्रामीण आनन-फानन में उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए इलाज शुरू किया। काफी प्रयास के बावजूद मुनीब की जान नहीं बचाई जा सकी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। घटना की सूचना मिलते ही सिकरीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मृतक की बहन सरोज देवी की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि अन्य की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि डीजे को लेकर पहले भी गांव में कई बार विवाद हो चुका है, लेकिन इस बार मामला जानलेवा साबित हुआ। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है और लोग स्तब्ध हैं कि मामूली कहासुनी ने एक परिवार से उसका सहारा छीन लिया। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी गोरखपुर दिनेश कुमार ने बताया कि प्रकरण में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है ताकि किसी तरह की अफवाह या तनाव की स्थिति न उत्पन्न हो। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था में सहयोग की अपील की है।

एथेलेटि मीट तीन दिवसीय खेल का हुआ समापन

डाला सोनभद्र। कोटा ग्राम पंचायत के टोला गुरमुरा में संचालित अटल आवासीय विद्यालय में वार्षिक एथेलेटि मीट तीन दिवसीय खेल का समापन बुधवार की सायंकाल हो गया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अल्ट्राटेक सीएसआर अधिकारी रोहित श्रीवास्तव व अध्यक्ष विद्यालय के उप प्रधानाचार्य जाकिर हुसैन रहे। मुख्य अतिथि श्री श्रीवास्तव ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी का सपना साकार हो गया। आपकी मेहनत आपको कामयाबी दिलाएगी, शिक्षकों का मेहनत जाया नही होता है, एक मात्र शिक्षक है जिसके गोद में भविष्य पलता है, बच्चों आपको वो मौका मिला अटल आवासीय विद्यालय द्वारा मिले ज्ञान को ढाल बनाकर आप जीवन के प्रत्येक मुकाम पर पहुंच सकतें है। अटल आवासीय विद्यालय तीन दिवसीय एथेलिट मीट खेल प्रतियोगिता में भाला फेक, थाली फेंक,, गोला, फेंक, मार्च पास्ट, रिले रेस का आयोजन किया गया

पहाड़ियों तक पहुंची उदन्ती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के भीषण आग की लपटें

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

धमतरी। उदन्ती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के सीतानदी रेंज में भीषण आग लगने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते घठुला से बोरई अंगिरा ऋषि पहाड़ी क्षेत्र तक पहुंच गई। फायर सीजन से पहले लगी इस आग ने विभाग की चिंताएं बढ़ा दी हैं। बताया जा रहा है कि मुख्य मार्ग के आसपास अचानक आग भड़क उठी और तेज हवाओं के कारण लपटें पहाड़ी इलाकों की ओर बढ़ने लगीं। क्षेत्र में घना धुआं फैल गया, जिससे हालात गंभीर हो गए। सूचना मिलते ही सीतानदी रेंज के फॉरेस्ट गार्ड शिवा शुक्ला वन चौकीदारों और फील्ड स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास शुरू कर दिए। सूखी घास और जंगल में गिरे पत्तों की अधिकता के कारण आग तेजी से फैलती रही, जिससे राहत कार्य चुनौतीपूर्ण हो गया। प्रारंभिक अनुमान है कि पास के खेत में लगाई गई आग जंगल तक पहुंच गई। फिलहाल वन अमला आग पर नियंत्रण पाने और नुकसान का आकलन करने में जुटा है।

सम्पादकीय

खुद की सजगता ही बचा सकती है साइबर ठगी से

डिजिटल तकनीक ने जहां देश को नई गति दी है, वहीं इसके खतरे भी कम नहीं हैं। बैंकिंग से लेकर सरकारी सेवाओं तक, हर क्षेत्र में ऑनलाइन माध्यम ने सुविधाएं बढ़ाई हैं, लेकिन इस डिजिटल विस्तार के साथ साइबर ठगी का जाल भी तेज़ी से फैला है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि अब तक 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि डिजिटल ठगी के जरिए निकाली जा चुकी है। यह आंकड़ा सिर्फ आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि व्यवस्था की कमजोरी और नागरिकों की असुरक्षा को भी उजागर करता है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल धोखाधड़ी को डकैती और लूट की संज्ञा देते हुए इसे गंभीर राष्ट्रीय समस्या बताया है, जो समय रहते नहीं रोकी गई तो इसके परिणाम और भयावह होंगे। ठगी के मामलों में एक बात साफ दिखाई देती है कि ठग तकनीक से ज़्यादा मानसिक कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। लालच और अज्ञानता उनके सबसे बड़े हथियार हैं। आसान मुनाफे का लालच देकर, डर पैदा करना और विवेक को शून्य कर देना, यही उनकी रणनीति है। कभी केवाईसी अपडेट के नाम पर, कभी फर्जी निवेश योजना, तो कभी सरकारी कार्रवाई का भय दिखाकर डिजिटल अरेस्ट करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी महज चेतावनी नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने वाली है। अदालत ने साफ कहा है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रही ठगी में बैंकों की लापरवाही या अधिकारियों की मिलीभगत की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) द्वारा तैयार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) को पूरे देश में प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। आरबीआई की एसओपी में यह प्रावधान है कि साइबर फ्रॉड की आशंका होते ही तुरंत कार्रवाई की जाए, जैसे संदिग्ध लेन-देन पर डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से होल्ड पर डालना, खाते की गतिविधि सीमित करना और समयबद्ध जांच। इसका उद्देश्य नुकसान को शुरुआती स्तर पर ही रोकना है। समस्या यह नहीं कि नियम मौजूद नहीं हैं, बल्कि यह है कि उनका पालन ढीले-ढाले तरीके से किया जा रहा है। सरकार के लिए यह जरूरी है कि वह केवल दिशानिर्देश जारी करने तक सीमित न रहे, बल्कि उनके पालन की निगरानी भी सुनिश्चित करे। डिजिटल ठगी का एक और खतरनाक रूप है लोगों को डिजिटल अरेस्ट करना और सरकार के नाम पर लॉटरी टिकट बेचकर लोगों को ठगना। ठग खुद को सरकारी एजेंसी, राज्य लॉटरी विभाग या किसी प्रतिष्ठित सरकारी योजना का प्रतिनिधि बताकर लोगों को फोन या मैसेज करते हैं। बड़ी इनामी राशि का लालच देकर पहले मामूली रजिस्ट्रेशन फीस, टैक्स या प्रोसेसिंग चार्ज के नाम पर पैसे ऐंठे जाते हैं। इसके बाद कभी दस्तावेज़ों में कमी, तो कभी नए शुल्क का बहाना बनाकर ठगी का सिलसिला चलता रहता है। डिजिटल ठगी के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार या अदालत की नहीं, बल्कि समाज की भी है। सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। कोई भी अनजान कॉल, लिंक या लालच भरा ऑफर चाहे वह सरकारी के नाम से ही क्यों न आए, बिना जांच के स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। बैंक या सरकारी विभाग कभी भी फोन पर ओटीपी, पिन या पासवर्ड नहीं मांगते। जागरूक नागरिक, सख्त कानून और जवाबदेह व्यवस्था इन तीनों के बिना डिजिटल भारत का सपना सुरक्षित नहीं हो सकता।

क्या हैं अमित शाह के बयान के निहितार्थ

विचार

पंकज झा

देश के गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में कहा कि 'छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने माओवादी मूवमेंट को प्रश्रय देकर रखा था इसमें किसी को भी शंका करने की कोई ज़रूरत नहीं है।'इस परिप्रेक्ष्य में अगर आप तब की भूपेश सरकार के कार्यों का विश्लेषण करेंगे, तो पाएंगे कि सचमुच कांग्रेस के एक समूह ने नक्सलियों को हमेशा ताकत देने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में झीरम में भयंकर नक्सल हमला हुआ था, जिसमें माओवादियों के विरुद्ध पूरी ताकत से लड़ने वाले महेंद्र कर्मा से लेकर कद्दावर नेता नंद कुमार पटेल समेत दर्जनों नेता बलिदान हुए थे। उस हमले के बाद कांग्रेस में आई रिक्तता का सबसे अधिक लाभ किसे मिला, यह सर्वज्ञात है।

उस दुर्भाग्यजनक हमले के बाद कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में लगातार बघेल यह कहते रहे थे कि झीरम हमले के साक्ष्य उनकी जेब में हैं। लेकिन मुख्यमंत्री बन जाने के बाद भी न तो उन्होंने साक्ष्य सार्वजनिक किया, न ही उसे किसी जांच एजेंसी को सौंपा, जबकि साक्ष्य छिपाना भी दंडनीय अपराध है। इसी विषय पर दो कदम और आगे बढ़ते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बिलासपुर में दो टूक यह कहलवा दिया गया कि 'झीरम हमले में नक्सलियों का हाथ नहीं है।' ऐसा कह कर सीधे तौर पर कांग्रेस सुप्रीमो से माओवादियों को क्लीन चिट दिलवा दी गई। इससे भी माओवादियों को प्रश्रय मिला ही। प्रदेश के मानपुर मोहला में तो कांग्रेस विधायक की उपस्थिति में हुई सभा में एक नक्सली ने क्षेत्र में वोट मांगने आने पर भाजपा कार्यकर्ताओं को काट देने के धमकी दी थी। उस पर अमल भी किया। फिर ऐसा आतंक फैला कर वहां से कांग्रेस जीत कर भी आयी।

छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रंजीता रंजन का बयान याद कीजिए, जब उन्होंने कहा था कि सभी नक्सली खराब और गलत नहीं होते। कांग्रेस के यूपी के तब के अध्यक्ष राज बब्बर ने सीधे तौर पर माओवादियों को क्रांतिकारी कहा था। दुर्दांत नक्सली हिड़मा के मारे जाने पर तो पूर्व सीएम दिग्विजय ने एक संदिग्ध महिला का पोस्ट रिपोस्ट करते हुए उस पर सवाल उठाए थे। आतंकी हिड़मा की लाश पर जिस तरह वह महिला दहाड़े मार कर रो रही थी, उससे भी यह साबित हुआ कि नक्सलियों से उसके कैसे संबंध थे।

आज जब केंद्र और राज्य की दोनों सरकारें मिलकर माओवाद के विरुद्ध अंतिम लड़ाई लड़ रही हैं, तब भी कांग्रेस से नक्सल समर्थक बयान दिलवाये जा रहे हैं। अप्रैल 2024 में कांकेर जिले में 29 माओवादियों को मार गिराने में सुरक्षा बलों को उस समय तक की सबसे बड़ी सफलता मिली थी। इस मुठभेड़ को भी फर्जी साबित करने सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सामने आए थे, जबकि स्वयं नक्सलियों ने प्रेस रिलीज जारी कर नाम समेत स्वीकार किया था कि उनके 29 लोग मारे गए हैं।

ऐसे दर्जनों उदाहरण दिए जा सकते हैं जब कांग्रेस ने माओवाद के विरुद्ध लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश की। यहां तक कि छत्तीसगढ़ में सरकार नहीं रहने पर अब तेलंगाना से माओवादियों को समर्थन के बयान दिलवाये जा रहे हैं। वहां की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सितंबर 2025 में नक्सलवाद को एक 'फिलॉसफी'कहा जिसे 'बल पूर्वक खत्म नहीं किया जा सकता।' उन्होंने इसे सामाजिक और आर्थिक असमानताओं से जन्मी समस्या बताया।

गृह मंत्री अमित शाह ने जैसा कहा भी कि यह अगर विकास की कमी का परिणाम होता, तो 'बस्तर से अधिक पिछड़े भारत के सौ जिले उस समय भी थे, लेकिन उनमें से कहीं भी नक्सलवाद नहीं पैदा हुआ। फिर भी अगर यह मान भी लिए जायें कि यह आर्थिक असमानता या शोषण से उपजा आतंक है, तो सवाल तो आखिर इसकी जिम्मेदारी कांग्रेस की ही तो है। जिस बस्तर को शोषण और दमन का उपनिवेश बना कर रखा गया था, कथित रूप से जिसके कारण माओवादी आतंक को प्रश्रय मिला, उस समय अविभाजित मध्यप्रदेश में कांग्रेस का ही तो शासन था। विडंबना तो यह है कि आदिवासी जन-जीवन को अलग बताते हुए जो लोग कांग्रेस शासन में बस्तर को विकास से अछूता रखना चाह रहे थे, वही लोग सेवानिवृत्ति के बाद लाल झंडा उठाते हुए बस्तर के पिछड़ेपन का बहाना कर नक्सल हिंसा को बौद्धिक आधार देने पहुंच गए थे। जिस अविभाजित आंध्रप्रदेश के रास्ते माओवादी बस्तर में आए, महाराष्ट्र में, बिहार-झारखंड में, पश्चिम बंगाल में हर जगह तब कांग्रेस ही तो थी। जिस नक्सलवाड़ी में कानू-चारू ने इस मूवमेंट की शुरुआत की थी, जिस शोषण और उत्पीड़न को कारण या बहाना बनाया गया, वहां तब किस दल की सरकार के कारण ऐसा था? जाहिर है कांग्रेस और बाद में कम्युनिस्ट ही तो इसके जिम्मेदार रहे। झारखंड में तो जिस झामुमो से कांग्रेस का गठबंधन रहा, उसने तो अनेक नक्सलियों को टिकट देकर कांग्रेस के समर्थन से लोकसभा और विधानसभा में भेजा। यह स्पष्ट है नक्सलवाद के जो भी बहाने रहे हों, उसकी जड़ में कांग्रेस रही है। आज भी गाहे-ब-गाहे कांग्रेस यही करती नजर आ रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री के जवाब में आए भूपेश बघेल के बयान भी इस 'प्रश्रय' को सही ठहराता प्रतीत हो रहे। पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि 'नक्सलवाद तब समाप्त माना जाएगा, जब पैरा मिलिट्री फोर्स को विथड्रा कर लेंगे। जब जन-प्रतिनिधियों को दी गई सुरक्षा वापस ले लेंगे।' इससे अधिक संवेदनहीन बयान की और क्या कल्पना की जा सकती है? क्या बघेल यह चाहते हैं कि सुरक्षा बलों को वापस लेकर फिर से आदिवासियों को असुरक्षित छोड़ दिया जाय? या जिस बस्तर में दर्जनों हजारों आदिवासी, दर्जनों नेता-कार्यकर्ता बलिदान हुए, वहां जनप्रतिनिधियों को असुरक्षित छोड़ दिए जाएं?

यही वह संवेदनहीनता है जिसका परिचय शासन में रहते भूपेश बघेल ने दिया था, जब अप्रैल 2021 में बीजापुर में हुए नक्सल हमले में 22 जवान शहीद हुए थे, उस समय न केवल वे असम में चुनाव प्रचार में व्यस्त थे बल्कि उस रात को जब अमित शाह असम से छत्तीसगढ़ आ कर मीटिंग कर लौट भी गए, तब बड़े ही संवेदनहीन तरीके से बस्तर के तब के सांसद और कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के साथ असम के रेस्तरा में किए रात्रि पार्टी का फोटो कांग्रेस अध्यक्ष के हैंडल से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था।

सुरक्षा बलों को वापस बुलाने की बात कर कांग्रेस महासचिव बघेल क्या उस दौर के वापसी चाहते हैं, जब 'सलवा जुडूम' को कोर्ट द्वारा समाप्त कर देने के बाद चुन-चुन कर आदिवासियों की हत्या की गई? संदर्भवश यह भी उद्धृत किया जा सकता है कि कांग्रेस के ही नेता रहे स्व. महेंद्र कर्मा के ही नेतृत्व में सलवा-जुडूम शुरू हुआ था। उसे कोर्ट द्वारा समाप्त करने पर कांग्रेस इतना अधिक कृतज्ञ हो गई कि उस फैसला देने वाले तबके के जज को सीधे उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बना दिया। इस उम्मीदवारी का विरोध करने बड़ी संख्या में ऐसे आदिवासीजन सीधे दिल्ली पहुंचे थे जिन्होंने नक्सल हमले में हाथ, पांव, आंखें, परिवार आदि खो दिया था। इस तरह नक्सल पीड़ितों के घावों पर कांग्रेस नेतृत्व ने नमक ही छिड़का था। वास्तव में सुरक्षा बलों को वापस बुलाने की बात कर भूपेश बघेल अपनी उसी अवज्ञा का परिचय दे रहे हैं, जैसा भाव केंद्रीय संस्थाओं, संघीय ढांचा के प्रति उनके पूरे कार्यकाल के पहचान रही, जिसका खामियाजा बस्तर को भी भोगना पड़ा था।

अभी अमित शाह के जिस पुराने बयान को तोड़-मरोड़ कर भूपेश बघेल प्रस्तुत कर रहे, तब की वह सफलता भी सुरक्षा बलों के कारण मिली थी और वह कांग्रेस शासन के बावजूद हो पाया था। अगर ऐसा नहीं होता तो जो सफलता आज विष्णुदेव साय जी की सरकार में मिल रही है, वह तभी मिल पाना संभव होता अगर भूपेश सरकार ने वर्तमान भाजपा सरकार की तरह सहयोग किया होता तो। बहरहाल!

बस्तर अब दशकों की पीड़ा के बाद एक नयी सुबह की बाट जोह रहा है। आज वहां बारूद की जगह विकास प्रश्रय पा रहा है। ऐसे में कांग्रेस को यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं होती। हमेशा शांति-व्यवस्था और संविधान को राजनीति से ऊपर रखना चाहिए। गृह मंत्री के बयान का यही लब्बोलुआब है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर

विज्ञान-अनुसंधान में आधी आबादी का बढ़ता प्रभाव

आधी आबादी को समर्पित आज का दिन कई मायनों में खास है। विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदान को मान्यता देने के लिए सालाना 11 फरवरी को 'विज्ञान में महिलाओं और लड़कियों का अंतरराष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है। 22 दिसंबर 2015 को संयुक्त राष्ट्र की महासभा में घोषित इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणितज्ञ क्षेत्र में महिलाओं की समान भागीदारी को बढ़ाना और लैंगिक असमानता को दूर करना था। आज इस दिवस का 11वां संस्करण मनाया जा रहा है। इस साल की थीम 'अभी सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है' पर केंद्रित है। विज्ञान क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते कदमों की बात करें, तो मंगल मिशन की सफलता से लेकर नासा और नोबेल पुरस्कार तक भारतीय महिलाएं विज्ञान क्षेत्र में अपना लोहा मनवा रही हैं। विज्ञान के वैश्विक स्तर पर भी भारतीय महिलाओं की धूम है। ये सिलसिला अब इसलिए भी रुकने वाला नहीं? क्योंकि सामाजिक बेड़ियों को तोड़कर महिलाएं दिनोंदिन विज्ञान की दुनिया में अकल्पनीय कीर्तिमान स्थापित करती जा रही हैं। एकाध दशकों के भीतर विज्ञान क्षेत्र और उसके विषय में महिलाओं की भूमिकाएं अत्यंत महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी के तौर पर उभरी हैं। आधा आबादी ने भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में अपना क्रांतिकारी योगदान देकर अपने दम पर पुरुषों के साथ कदम ताल मिलाया है। मैरी क्यूरी से लेकर भारतीय अंतरिक्ष मिशनों तक, महिलाओं ने रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़कर अपनी प्रतिभा सिद्ध की हैं। केंद्र सरकार ने 2024-25 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को 16,628 करोड़ रुपये आवंटित इसलिए किए थे, ताकि इस क्षेत्र में धन की कमी न आए। अब भारत में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। वर्ष-2018-19 की विभिन्न शोध परियोजनाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी तकरीबन 28 से 30 फीसदी तक बढ़ीं। 2024-24 के आंकड़ों में और इजाफा हुआ है। गति अगर यूं ही बरकरार रही, तो साल 2047 में जब भारत पूर्ण रूप से विकसित होगा, तब विज्ञान क्षेत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी आधी हो जाएगी। महिलाओं के लिए भारत अब बदल चुका है, क्योंकि वैश्विक औसत के हिसाब से विज्ञान क्षेत्र में भारतीय महिलाएं की रुचि ज्यादा बढ़ी है। यही कारण है कि स्टेम शिक्षा में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 43 प्रतिशत तक जा पहुंची है। केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा भी महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में इंटरशिप, छात्रवृत्तियां और अन्य 11 पीठों का गठन महिला शोधकर्ताओं को बढ़ाने मकसद से शुरू किया जा चुका है। केंद्र सरकार में इसका अलग से मंत्रालय भी बनाया गया है। मंत्रालय का नाम है 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान'। एक जमाना था, जब विज्ञान जैसे क्षेत्रों में गिनी चुनी महिलाओं की ही आमदगी होती थी। पर, अब इसरो के चंद्रयान और मंगलयान मिशनों की सफलता में भारतीय महिला वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान भी दिखने लगा है। आनंदीबाई जोशी पहली महिला डॉक्टर, असिमा चटर्जी पहली कैंसर और मिर्गी शोध, सुषमा घोष पहली चिकित्सा विज्ञान और जानकी अम्माल ने गन्ने की हाइब्रिड प्रजातियों के विकास में जो योगदान दिया, उसे कोई नहीं भूल सकता। वहीं, अन्ना मणि का सौर विकिरण और ओजोन परत के क्षेत्र में दिया उल्लेखनीय कार्य सदैव सराहनीय रहेगा। इन महिलाओं ने ये सफलताएं उस समय हासिल की थी, जब महिलाओं को घरों की चारदीवारी में कैद करके रखा जाता था। बाहर निकलने की आजादी तक नहीं होती थी। भारतीय महिला वैज्ञानिकों ने न केवल विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान किया, बल्कि गणित, अंतरिक्ष और खगोल शास्त्र के क्षेत्र में भी शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। अंतरिक्ष की दुनिया में दमदार प्रदर्शन करने वाली इन महिलाओं के संबंध में युवा पीढ़ी को जानना चाहिए। वैश्विक पटल पर भी भारतीय महिलाओं ने अपने हुनर का लोहा अपनाया। कल्पना चावला भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के बारे में छोटे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई जानता है। कल्पना अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं जिसने 376 घंटे 34 मिनट तक अंतरिक्ष में रहकर रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने धरती के 252 चक्कर लगाए थे। वहीं, सुनीता विलियम्स अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जरिये अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला हैं। सुनीता विलियम्स ने एक अंतरिक्ष यात्री के रूप में 195 दिनों तक अंतरिक्ष में रहने का विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। उनसे प्रेरणा लेकर भारतीय महिलाएं विज्ञान क्षेत्र में आ रही हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी

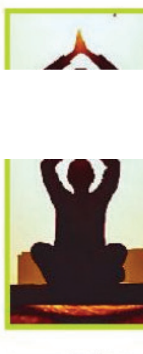

संकलित

दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।

तुलसीदास जी द्वारा विप्रचंद ब्राह्मण पर कृपा

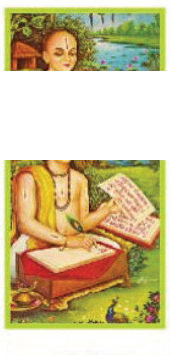

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक विप्रचंद नामक ब्राह्मण से हत्या हो गई और उस हत्या के प्रायश्चित के लिए वह अनेक तीर्थों में घूमता हुआ काशी आया। वह मुख से पुकार कर कहता था- राम राम ! मै हत्यारा हूं, मुझे भिक्षा दीजिए। श्री गोस्वामी जी ने उसके मुख से अपने इष्टदेव का अतिसुंदर राम नाम सुनकर उसे अपने निवास स्थान पर बुला लिया और उसे हृदय से लगा लिया। गोस्वामी जी ने बड़ी प्रसन्नता से उसे अपनी पंक्ति में बैठकर प्रसाद खिलाया जिससे वह शुद्ध हो गया। काशी के ब्राह्मणों ने जब यह बात सुनी तो उन्होंने एक सभा की और उसमें गोस्वामी जी को बुलवाया। सभी पंडितों ने गोस्वामी जी से पूछा कि प्रायश्चित पूरा हुए बिना ये ब्राह्मण कैसे शुद्ध हो गया? गोस्वामी जी ने कहा कि वेदों पुराणों में भगवान के नाम की महिमा लिखी है, उसे पढ़कर देख लीजिए। भगवन्नाम के प्रताप से ही यह ब्राह्मण भी शुद्ध हो गया। उन्होंने गोस्वामी जी से कहा कि महिमा लिखी तो है परंतु हमें विश्वास नहीं होता। गोस्वामी जी ने पूछा कि फिर आपको कैसे होगा विश्वास वह उपाय कहिए? इस पर ब्राह्मणों ने कहा- यदि इस व्यक्ति के हाथ से भगवान शंकर के नंदी जी प्रसाद खा लें तो हम लोग इसे अपनी जाति, पंगति में ले सकते हैं अथवा नहीं। सब लोग काशी में ज्ञानवापी नदी के तट पर पहुंचे जहां शर्त रखी गई थी। श्री गोस्वामी जी ने नन्दीश्वर से कहा- हे नंदीश्वर! यदि यह ब्राह्मण राम नाम के प्रताप से शुद्ध हो गया है तो आप इसके हाथ से प्रसाद स्वीकार करके नाम की महिमा को प्रमाणित कीजिए। नन्दीश्वर ने प्रसन्नता के साथ प्रसाद स्वीकार कर लिया।

अंतर्मन

आज की पाती

जान है तो जहान है

दुनिया भर की बकवास को छोड़कर सर्वप्रथम स्वास्थ्य क्षेत्र में सारा ध्यान केंद्रित किया जाना अनिवार्य है। धर्म, जाति, भाषाएं, राजनीतिक दल, संप्रदाय, देशभक्ति, देश-दुनिया तभी बचे रहेंगे जब तक लोग जीवित रहेंगे, सही सलामत रहेंगे, स्वस्थ रहेंगे। हमारे भारत में भी कौन जाने, कहां, कब, कैसे, किस क्षेत्र में क्या-क्या उन्नति-प्रगति हो रही है। देश की अर्थव्यवस्था विश्व में चौथे नंबर पर पहुंच चुकी है। ये सभी काल्पनिक और आदर्शवादी बातें उन सभी करोड़ों भारतीय नागरिकों की समझ से सर्वथा परे हैं, जो आज भी अपनी दैनिक और विशेषकर स्वास्थ्य संबंधी सैकड़ों समस्याओं से लगातार ही जूझते हुए कुछ चैन, सुकून, शांति व आराम की तलाश कर रहे हैं। स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

- प्रथमेश कुलकर्णी, दुर्ग

करंट अफेयर

केन्या में 20 लाख से अधिक लोग भुखमरी की चपेट में

केन्या के कुछ इलाकों में सूखे की वजह से 20 लाख से अधिक लोग भुखमरी का सामना कर रहे हैं और सबसे ज्यादा असर उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के पशुपालक समुदायों पर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने यह जानकारी दी। केन्या के राष्ट्रीय सूखा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, देश के करीब 10 जिले इस समय सूखे से जूझ रहे हैं। सोमालिया से सटे केन्या के उत्तर-पूर्वी मंडेरा जिले में स्थिति चेतावनी स्तर पर पहुंच गई है। इसका मतलब है कि पानी की गंभीर कमी के कारण पशुओं की मौत हो रही है और बच्चे कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। जनवरी के अंत में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि यही परेशानी सोमालिया, तंजानिया और यहां तक कि युगांडा तक फैल रही है, जहां लोग इसी तरह के मौसम और पानी की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। हाल के हफ्तों में सोमाली सीमा के पास सूखाग्रस्त इलाकों से झकझोर देने वाली तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें मवेशियों को बेहद कमजोर और कुपोषित हालत में देखा जा सकता है। यह इलाका जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहा है। हाल के वर्षों में कुछ क्षेत्रों में बारिश के मौसम की अवधि छोटी हो गई है, जिससे सूखे की स्थिति पैदा हो रही है।

ऑफ बीट

दो-तीन कप कॉफी पीने से डिमेंशिया का खतरा कम

वैज्ञानिकों ने पाया है कि दिन में दो से तीन कप कॉफी पीने से डिमेंशिया होने का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है, लेकिन इससे अधिक मात्रा में कॉफी पीने से मस्तिष्क को कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलता। एक व्यापक अध्ययन में सीमित मात्रा में कैफीनयुक्त कॉफी या चाय पीने वालों में डिमेंशिया होने की संभावना कम पाई गई। अध्ययन के अनुसार, 75 वर्ष या उससे कम आयु के लोगों में इसका प्रभाव सबसे अधिक देखा गया। रोजाना करीब 250-300 मिलीग्राम कैफीन (लगभग दो से तीन कप कॉफी) लेने वालों में डिमेंशिया का जोखिम 35 प्रतिशत तक कम पाया गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि इससे अधिक कैफीन लेने से कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिला। अध्ययन में शामिल महिलाओं ने बताया कि शुरुआत में वे प्रतिदिन औसतन साढ़े चार कप कॉफी या चाय पीती थीं, जबकि पुरुषों के लिए कॉफी की औसत खपत ढाई कप थी। अधिक कैफीन लेने वाले प्रतिभागी अपेक्षाकृत कम उम्र के थे, लेकिन वे शराब का अधिक सेवन करते थे, धूम्रपान करते थे और अधिक कैलोरी लेते थे, जो डिमेंशिया के जोखिम को बढ़ाने वाले कारक माने जाते हैं। शोध में यह भी पाया गया कि कैफीन रहित कॉफी पीने वालों में स्मृति क्षय तेज़ी से हुआ।

ट्रेंड

जनता का भरोसा

महाराष्ट्र की जनता ने जिला परिषद चुनावों में महायुति के पक्ष में स्पष्ट निर्णय लेकर विकास तथा सुशासन की राजनीति को अपना समर्थन दिया है। इस जनविश्वास के लिए राज्य की जनता का हृदय से आभार। जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता का भरोसा ही इस जीत का आधार बना है।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

प्रधानमंत्री आवास योजना

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हज़ारों जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर मिल रहा है, जो उनके सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन की मजबूत नींव है। मेरा निरंतर प्रयास है कि पंक्ति में सबसे आखिरी खड़े व्यक्ति तक इस योजना का लाभ पहुँचे, ताकि कोई पात्र वंचित न रहे।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

पायलट को श्रद्धांजलि

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की जयंती पर हम उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने वंचित और शोषित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाया, भारतीय वायुसेना में रहते हुए देश के प्रति अपनी निष्ठा व समर्पण का परिचय दिया।

- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

घरेलू उत्पादन बढ़ाएं

भारत अपने तेल और गैस का 90 फीसदी आयात करता है। हम तीन तरफ से समुद्र से घिरे हैं। घरेलू उत्पादन बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हम तेल और गैस के लिए विश्व का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार हैं।

- अनिल अग्रवाल, उद्यमी

तीसरी मुंबई बनने का रास्ता साफ, देवेंद्र फडणवीस कैबिनेट ने लैंड पॉलिसी को दी मंजूरी

नवी मुंबई : महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक (एमटीएचएल) उर्फ अटल सेतु के पास स्थित ह्यतीसरी मुंबईह्व की विकास परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और आवंटन नीति को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) को क्षेत्र के विकास के लिए 200 वर्ग किलोमीटर भूमि सौंपी गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान के अनुसार, इस फैसले से अटल सेतु के प्रभाव क्षेत्र में नियोजित शहरीकरण, औद्योगिक निवेश, लॉजिस्टिक्स हब, आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं और बुनियादी ढांचा विकास के लिए एक स्पष्ट ढांचा (फ्रेमवर्क) उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस नीति में महाराष्ट्र क्षेत्रीय एवं नगर नियोजन (एमआरटीपी) अधिनियम, 1966 की धारा 126(1) के तहत आपसी सहमति से या भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत मुआवजे का निर्धारण करके भूमि अधिग्रहण का प्रावधान है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। कैबिनेट ने एमआरटीपी अधिनियम की धारा 126(10) के तहत नकद के बजाय फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफएसआई) या हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) के रूप में मुआवजे के माध्यम से अधिग्रहण करने को भी मंजूरी दे दी है। सुविधाओं और निर्माण उद्देश्यों के लिए जहाँ आवश्यक हो, अतिरिक्त एफएसआई या टीडीआर प्रदान किए जा सकते हैं। नई व्यवस्था के तहत 22.5 प्रतिशत भूमि वापसी नीति लागू की जाएगी। बातचीत के माध्यम से अधिग्रहित निजी स्वामित्व वाली भूमि के लिए, परियोजना से प्रभावित व्यक्तियों को 1 मार्च, 2014 और 28 मई, 2014 के सरकारी प्रस्तावों के अनुसार विकसित भूखंड उपलब्ध कराए जाएंगे। यदि 22.5 प्रतिशत वापसी योजना के तहत विकसित भूखंड का क्षेत्रफल 40 वर्ग मीटर से कम है, तो इसके बदले नकद मुआवजा दिया जाएगा। अविकसित क्षेत्रों में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए, मंत्रिमंडल ने 'पास-थ्रू नीति' के कार्यान्वयन को मंजूरी दी। इस नीति के तहत भूमि अधिग्रहण मुआवजे और अवसंरचना विकास की लागत भूखंडधारकों से किश्तों में वसूल की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि भूमि अधिग्रहण की पूरी लागत, पंजीकरण शुल्क और स्थापना व्यय आवंटिती की ओर से वहन किया जाएगा। इसमें एमएमआरडीए 15 प्रतिशत स्थापना शुल्क लगाएगा। एमएमआरडीए इन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा उपलब्ध नहीं कराएगा और भूमि का आवंटन ह्यजैसा है, जहाँ हैह्व के आधार पर किया जाएगा। भविष्य में मुआवजे में होने वाली किसी भी वृद्धि की वसूली भी आवंटिती से की जाएगी। इन शर्तों के आधार पर एमएमआरडीए और भूखंडधारक के बीच एक औपचारिक समझौता किया जाएगा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने के लिए, अटल सेतु प्रभावित क्षेत्र में एफडीआई लाने वाले उद्योगों को एमआईडीसी नीति के अनुरूप भूमि आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी।

आधार कार्ड में नाम संशोधन करने हेतु शपथ पत्र

महजबी, उम्र 23 वर्ष, पूर्व नाम महक गुप्ता, पिता का नाम अब्दुल हमीद निवासी महामाया पारा, हुसैनीनगर, अम्बिकापुर, की रहने वाली हूँ:-मैं शपथपूर्वक कथन करता/करती हूँ मेरा जन्म के समय नाम महजबी था। मेरा विवाह के उपरांत मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम महक गुप्ता दर्ज हो गया। वर्तमान में मैं पुनः अपना वास्तविक / पूर्व नाम महजबी ही रखना चाहती हूँ। मेरी कक्षा 10वीं की अंकसूची में मेरा नाम महजबी दर्ज है। भविष्य में मैं अपने सभी शासकीय एवं निजी अभिलेखों में महजबी नाम ही उपयोग करूँगी। यह शपधपत्र सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
नामः महजबी
निवासी महामाया पारा
हुसैनी नगर अंबिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कविता सिंह पत्नी नरेन्द्र प्रताप सिंह जाति कंवर निवासी लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 254/3 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12 /02 /2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०./अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विभा कश्यप पत्नी दीनानाथ कश्यप जाति कहार निवासी मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 176/7 रकबा 0. 020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, सेटलमेन्ट, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा),
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चंचला तिवारी पत्नी अनुप तिवारी जाति ब्राहम्ण निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 120/93, 120/140 रकबा 0.010, 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमित पाण्डेय पिता प्रमेश्वर पाण्डेय जाति ब्राहम्ण निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 3669/18, रकबा 0.040 हे0 में से 0.010 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अंबिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राहुल पाण्डेय पिता लाल जी पाण्डेय जाति ब्राहम्ण निवासी कतकालो तहसील दरिमा जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम कतकालो तहसील दरिमा जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 730/3 रकबा 0.126 हे० भूमि को कृषि भिन्न औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/2/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ००)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजित कुमार सोनी पिता माधो प्रसाद सोनी, अजीत कुमार पटेल पिता रामगहन पटेल जाति कुर्मी निवासी वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 354/13 रकबा 0.016 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मधुवाला गुप्ता पत्नी लल्लू प्रसाद गुप्ता जाति तेली निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 473/14, रकबा 0.0202 हे0 में से 0.010 हे0 एवं 473/9 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/12/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700148/ सनः-2025-2026

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
अंबिकापुर (प ह. न. 00015).
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार ना०बा० शिवनारायण आ० शनि राम, अनावेदक पक्षकार अर्जुन राम,

ईश्तहार

आवेदक ना०बा० शिवनारायण आ०शनि राम की ओर से वली पिता शनिराम आ०मोहरा राम निवासी ग्राम भाधुपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिता सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4359/3, 4693/7, 4709-11, 4711/1 रकबा 0.021, 0.169, 0.072, 0.077, 0.008 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा दिनांक 19/12/2022 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/02/ 2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

केंद्रीय कर्मचारियों की होगी बल्ले- बल्ले, 9 लाख करोड़ तक मिलेगा एरियर्स

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य मिश्रा ने दी जानकारी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य नीलकंठ मिश्रा ने चेतावनी दी कि नए वेतन व पेंशन संशोधन का कुल बोझ 4 लाख करोड़ से बढ़कर पांच तिमाहियों के एरियर समेत 9 लाख करोड़ तक जा सकता है। इससे केंद्र सरकार पर एक बड़ा वित्तीय भार झेलना पड़ेगा

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

8वें वेतन आयोग को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यह आयोग 1 जनवरी 2028 से लागू होगा और देश के इतिहास में सबसे बड़े वित्तीय असर वाला फैसला साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य नीलकंठ मिश्रा ने चेतावनी दी कि नए वेतन व पेंशन संशोधन का कुल बोझ 4 लाख करोड़ से बढ़कर पांच तिमाहियों के एरियर समेत 9 लाख करोड़ तक जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों दोनों को बहुत बड़ी चुनौती होगी।

आयोग 1 जनवरी 2028 से लागू होगा

यह देश के इतिहास में सबसे बड़े वित्तीय असर वाला फैसल होगा

वेबसाइट पर कर्मचारियों से मांगा फीडबैक

नीलकंठ मिश्रा

8वें सेंट्रल पे कमीशन ने पिछले हफ्ते अपनी ऑफिशियल वेबसाइट लॉन्च की है। ये सरकारी कर्मचारियों की सैलरी, पेंशन और अलाउंस में बदलाव की दिशा में एक अहम कदम है। कमीशन ने मआइ जीओवी पोर्टल पर एक स्ट्रक्चर्ड क्वेश्चनेयर के जरिए मिनिस्ट्री, डिपार्टमेंट, सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारियों और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से फीडबैक भी मांगा है। सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारी अब एरियर के पेमेंट और 8वें पे कमीशन की सिफारिशों को लागू करने की असली तारीख पर क्लैरिटी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

यह 7वें आयोग से 7-8 गुना ज्यादा

सिर्फ सालाना वेतन और पेंशन बिल में ही 4–5 लाख करोड़ की अतिरिक्त लागत आएगी, जो एफवाई 28–29 से हर साल बढ़ती रहेगी। इसके अलावा जनवरी 2026 से मार्च 2028 तक के 5 क्वार्टर के एरियर लगभग 3.5–4 लाख करोड़ तक पहुंच सकते हैं, जो एक बार में दिया जाने वाला बड़ा भुगतान होगा। यानी पहले ही साल में कुल झटका 7.5–9 लाख करोड़ है।

भुगतान, अलाउंस और पेंशन का लाभ

इस बीच सरकार ने साफ कर दिया है कि 8वें वेतन आयोग का दायरा भुगतान, एलाउंस और पेंशन आदि सभी को कवर करता है।

राज्यसभा में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पुष्टि की कि पेंशन संशोधन भी आयोग की जिम्मेदारी में शामिल है, जिससे लाखों पेंशनरों की चिंता खत्म हो गई है। हालांकि, फिलहाल डीए-डीआर मर्ज करने की कोई योजना नहीं है। सरकार ने कहा है कि ऐसा कोई कदम वेचनमान की रिपोर्ट आने के बाद ही सोचा जाएगा, जबकि डीए के 50फीसदी पार करने की उम्मीद 2026 के मध्य में है।

50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को राहत

50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को राहत तो जरूर मिलेगी, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक मुश्किल संतुलन का समय होगा। 2027 में आयोग की रिपोर्ट और 2028 में क्रियान्वयन के साथ यह फैसला सरकार के वित्तीय प्रबंधन की असली परीक्षा बनकर सामने आने वाला है। जैसा कि नीलकंठ मिश्रा ने कहा यह भारत के लिए एक अहम फिस्कल मोड़ होगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने दी मंजूरी

दिल्ली में बनेंगे 3 नए मेट्रो कॉरिडोर व 13 नए स्टेशन

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मेट्रो फेज-5(ए) को स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कुल 16 किलोमीटर की लंबाई वाले तीन नए कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे, जिनमें 13 मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे। इसकी अनुमानित लागत 12,014.91 करोड़ है, जिसमें दिल्ली सरकार का बजटीय हिस्सा 2,940.46 करोड़ निर्धारित किया गया है। परियोजना 2028 में पूरी होगी।

■ परिवहन व्यवस्था दुरुस्त होगी

प्रधानमंत्री का '7-सी विजन' धरातल पर आएगा

गुप्ता ने कहा कि यह परियोजना परिवहन व्यवस्था से जुड़े प्रधानमंत्री के उस '7-सी विजन' को धरातल पर उतारने की दिशा में बड़ा कदम है, जिसका अर्थ है- साझा, सुलभ , सुविधाजनक, जाम-मुक्त, ऊर्जावान, स्वच्छ और अत्याधुनिक परिवहन। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ करना अनिवार्य है और यह विस्तार इसी दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

13 में से 10 स्टेशन होंगे अंडरग्राउंड

3 कॉरिडोर में आरके आश्रम से इंद्रप्रस्थ (सेंट्रल विस्टा के रास्ते), तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज और एरोसिटी से इंदिरा गांधी डोमेस्टिक टर्मिनल-1 (आईजीडी टी-1) शामिल हैं। बनाए जाने वाले कुल 13 स्टेशनों में 10 स्टेशन अंडरग्राउंड और 3स्टेशन एलिवेटेड होंगे। यह विस्तार मौजूदा मेट्रो नेटवर्क के साथ निर्बाध इंटरचेंज की सुविधा प्रदान करेगा

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पाकीजा खातून पत्नी मो0 इरफान जाति मुसलमान निवासी न्यू कॉलोनी आरा मोड़ धनबाद तहसील धनबाद जिला धनबाद (झारखण्ड) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अजिरमा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 814/14 रकबा 0.050 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खत्सरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अभिषेक कुमार गुप्ता आ० ब्रम्हानन्द गुप्ता जाति हलवाई निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2070/126 रकबा 0.014 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो. तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

व्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र ब/121 वर्ष
ग्राम शिवप्रसादनगर प.ह.न. 08
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूर्णिमा तिर्की पिता स्व बेलसाय जाति उरांव निवासी ग्राम शिवसादनगर प.ह.न 08 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व बिफनी बाई का मृत्यु दिनांक 22/05/2015 को ग्राम शिवप्रसादनगर में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने माता स्व बिफनी बाई का मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत. शिवप्रसादनगर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 25/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुराधा हालदार पिता किशोर कुमार मुखर्जी जाति क्षत्रिय निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सकालो तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 183/6. रकबा 0.072 हे0 में से 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०. /अ-2/2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक फुलमति बाई एक्का पत्नी रामकेशवर एक्का जाति उरांव निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 157/479 रकबा 0.071 हे0 में से 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र० क्र०. /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लल्लू प्रसाद गुप्ता पिता भिखारी साव जाति तेली निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील दरिमा जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 473/7 रकबा 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1. खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 20/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

प्रकृति, संस्कृति और मनोरंजन का त्रिवेणी संगम: आज से सजेगा तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का भव्य मंच

15 फरवरी को संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में होगा कार्यक्रम का समापन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ

भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी और बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर महोत्सव में बिखेरेंगी जलवा

एडवेंचर स्पोर्ट्स, स्थानीय व्यंजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार होगा छत्तीसगढ़ का शिमला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले का मैनपाट एक प्रमुख हिल स्टेशन है, जिसे अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ठंडी जलवायु और तिब्बती संस्कृति के कारण छत्तीसगढ़ का शिमला और छोटा तिब्बत भी कहा जाता है। मैनपाट के रोपाखार जलाशय के समीप आगामी 13 से 15 फरवरी तक तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है। राज्य शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य मैनपाट को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाना तथा स्थानीय लोक कला व संस्कृति का संवर्धन करना है।

मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ और सितारों से सजेगी शाम

मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ 13 फरवरी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में होगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस सांस्कृतिक महाकुंभ में लोक गीत और आधुनिक संगीत का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। प्रथम दिन 13 फरवरी को भोजपुरी सुपरस्टार मनोज तिवारी अपनी गायकी से दर्शकों का उत्साह बढ़ाएंगे। साथ ही, छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और ओडिशा का प्रसिद्ध छऊ नृत्य लोक संस्कृति की छटा बिखेरेंगे। द्वितीय दिवस 14 फरवरी को छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका अलका चंद्राकर और इंडियन आइडल फेम वैशाली रायकवार अपनी सुरीली आवाज से शाम को यादगार बनाएंगी। वहीं समापन दिवस 15 फरवरी को महोत्सव का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड की मशहूर सिंगर कनिका कपूर होंगी। इसके साथ ही रायगढ़ घराने की कत्थक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव और गायक आयुष नामदेव भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

साहसिक खेल और स्थानीय जायका

मैनपाट महोत्सव केवल संगीत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यटकों के लिए मनोरंजन का पैकेज होगा। महोत्सव स्थल पर एडवेंचर एक्टिविटी में पर्यटकों के लिए बोटिंग, साहसिक खेल और पारंपरिक दंगल का आयोजन किया जाएगा। फूड जोन में सरगुजा के पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ विभिन्न लजीज पकवानों का आनंद लिया जा सकेगा। प्रदर्शनी एवं मेला में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जहां शासन की योजनाओं और स्थानीय उत्पादों जैसे टाऊ और तिब्बती हस्तशिल्प का प्रदर्शन होगा।

छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट के प्रमुख आकर्षण

अंबिकापुर मुख्यालय से लगभग 75 किलोमीटर दूर स्थित मैनपाट एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है, जोकि समुद्र तल से 3,781 फीट की ऊंचाई पर है। यहाँ के प्रमुख आकर्षणों में बौद्ध मंदिर, टाइगर पॉइंट, मेहता पॉइंट, मछली पॉइंट, और अनोखा जलजली शामिल हैं। यह स्थान तिब्बती संस्कृति, टाऊ की खेती और अद्भुत प्राकृतिक नजारों के लिए प्रसिद्ध है।

मैनपाट के प्रमुख दर्शनीय स्थल

तिब्बती शरणार्थी शिविर और बौद्ध मंदिर

मैनपाट में 1970 में बसाया गया एक बड़ा तिब्बती समुदाय है, जहां का थाकपो शेडुप्लिंग मठ (कैम्प नंबर 3) मुख्य आकर्षण है। टाइगर पॉइंट - 200 फीट की ऊंचाई से गिरने वाला यह वॉटरफॉल (झरना) घने जंगलों से घिरा है। जलजली- यह एक भूगर्भीय आश्चर्य है जहाँ जमीन दलदली है और कूदने पर स्पंज की तरह हिलती है, इसे म्यूजिकल लैंड भी कहते हैं। मछली पॉइंट एक बहुत ही सुंदर झरना और मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध स्थान है। मेहता पॉइंट-घाटियों के शानदार और मनोरम दृश्य देखने के लिए एक बेहतरीन व्यू पॉइंट। उल्टा पानी- यहाँ का पानी ढलान के विपरीत दिशा में बहता है, जो एक अनसुलझा रहस्य है। सरभंजा जलप्रपात-ग्राम पंचायत से तकरीबन दो किलोमीटर ट्रैकिंग मार्ग से इस प्राकृतिक जलप्रपात तक पहुंचा जा सकता है। जुलाई से मार्च के बीच यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है। जोकि पर्यटकों को आकर्षित करता है।

स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन

जिला प्रशासन द्वारा मंच पर नामी कलाकारों के साथ-साथ स्थानीय स्कूली बच्चों और क्षेत्रीय कलाकारों को भी प्राथमिकता दी गई है, ताकि सरगुजा की माटी की प्रतिभा को उचित मंच मिल और स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन भी हो सके। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में मैनपाट महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। महोत्सव स्थल पर सुरक्षा, पार्किंग और पर्यटकों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। 15 फरवरी को समापन समारोह में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

सुगम यातायात और फास्ट ट्रैफिक के लिए बीते दो वर्षों में 15 फोर-लेन सड़कों के लिए 644.18 करोड़ स्वीकृत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में सुगम यातायात, फास्ट ट्रैफिक एवं सुव्यवस्थित परिवहन के लिए लोक निर्माण विभाग ने पिछले दो वर्षों में 15 फोर-लेन सड़कों के लिए 644 करोड़ 18 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने जन आकांक्षाओं को देखते हुए लोगों की सुविधाओं तथा चौड़ी एवं मजबूत सड़कों के निर्माण के लिए ये राशि मंजूर की हैं। लोक निर्माण विभाग ने रायगढ़ जिले के मुख्य जिला मार्ग रायगढ़-लोइंग-महापल्ली के किमी 1 से किमी 5 तक विद्युतीकरण सहित फोर-लेन सड़क के निर्माण के लिए 81 करोड़ 47 लाख रुपए, ढिमरापुर चौक से कोतरा थाना चौक तक 2.50 किमी में फोर-लेन के लिए 41 करोड़ 48 लाख रुपए तथा रायगढ़-कोतरा-नंदेली राज्य मार्ग के किमी 1 से किमी 5 तक फोर-लेन निर्माण एवं विद्युतीकरण के लिए 55 करोड़ 28 लाख रुपए मंजूर किए हैं। विभाग ने संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर में गांधी चौक से रेलवे स्टेशन तक 5 किमी फोर-लेन सड़क के लिए 61 करोड़ 34 लाख रुपए तथा बिलासपुर में करीब 14 किमी लंबे कोनी-मोपका फोर-लेन बायपास के लिए 59 करोड़ 55 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा राजधानी रायपुर में 4.80 किमी लंबे शंकर नगर-खम्हारडीह-कचना मार्ग के चौड़ीकरण व फोर-लेन निर्माण के लिए 22 करोड़ 78 लाख रुपए तथा गुढ़ियारी के शुकवारी बाजार से रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर-5 रेलवे फाटक तक 5 किमी फोर-लेन के लिए 26 करोड़ 52 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता की ओर छत्तीसगढ़ : राज्य में 10,796 हेक्टेयर क्षेत्रों में ऑयल पाम की खेती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। खाद्य तेल में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ में ऑयल पाम की खेती को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य में अब तक 10,796 हेक्टयर क्षेत्रों में ऑयल पाम की खेती हो रही है। जिसमें 7,315 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। जिला प्रशासन भी ऑयल पाम के लिए जमीन चिहांकित कर रकबा बढ़ाने प्रयासरत हैं। इसी क्रम में संचालक उद्यानिकी लोकेश कुमार ने दुर्ग एवं बेमेतरा जिलों के किसानों के खेतों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिक क्षेत्र में ऑयल पाम लगाने के लिए किसानों को प्रेरित किया। उद्यानिकी संचालक लोकेश कुमार ने निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय बागवानी मिशन, समेकित उद्यानिकी विकास कार्यक्रम तथा नेशनल मिशन ऑन ऑयल पाम के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। गौरतलब है कि राज्य में ऑयल पाम की खेती वर्ष 2012-13 से की जा रही है। वर्तमान में राज्य के समस्त जिलों में लगभग 10,796 हेक्टेयर क्षेत्र में रोपण किया जा चुका है, जिससे 7,315 किसान लाभान्वित हुए हैं। अब तक लगभग 1,394.88 टन फ्रेश फ्रूट बंच का उत्पादन हुआ है। भारत सरकार द्वारा फ्रेश फ्रूट बंच का न्यूनतम मूल्य 16,460.46 रुपये प्रति टन निर्धारित कया गया है, जबकि छत्तीसगढ़ में किसानों से 22,000 रुपये प्रति टन की दर से सीधी खरीदी की जा रही है। संचालक लोकेश कुमार ने दुर्ग जिले के ग्राम ढाबा में श्रीमती सुनिती देवी मढरिया के एक हेक्टेयर में लगाए गए ऑयल पाम के साथ टमाटर की अंतरवर्ती फसल तथा श्री प्रवीण मढरिया के एक हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम के साथ केले की खेती का अवलोकन किया।

छत्तीसगढ़ में वन संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और आजीविका विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां : वन मंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। वन, सहकारिता एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आज छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में वन संरक्षण, हरित आवरण विस्तार, वन्यजीव संवर्धन, इको-टूरिज्म विकास तथा वनवासियों की आजीविका सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वन संरक्षण के साथ-साथ सतत विकास, जैव विविधता संरक्षण और वनवासियों की आजीविका सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

वन आवरण में वृद्धि

प्रेस वार्ता में मंत्री कश्यप ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण संस्थान द्वारा दिसंबर 2024 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ के वन एवं वृक्ष आवरण में लगभग 683 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 44 प्रतिशत भाग वन क्षेत्र है। अत्यंत सघन वनों में 348 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज होना वनों की गुणवत्ता और पारिस्थितिक संतुलन में सुधार का प्रमाण है।

धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित धरा को सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही हमारी सरकार : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर प्रदेश है और धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित इस धरा को हमारी सरकार सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में सिक्किम राज्य से अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे पत्रकारों के दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ को लेकर ढेर सारी बातें साझा की। उन्होंने सभी अतिथियों को राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ में स्वागत और अभिवादन किया। मुख्यमंत्री की सहृदयता और आतिथ्य पाकर सभी पत्रकार अभिभूत हुए और उन्हें सिक्किम आने का निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 44 प्रतिशत वन क्षेत्र से आच्छादित है तथा यहां 31 प्रतिशत आदिवासी समुदाय निवासरत है। वनोपज संग्रहण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जशपुर जिले में स्व-सहायता समूह की महिलाएं ह्यजशप्योरह्ल ब्रांड के अंतर्गत उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए सरकार द्वारा 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका योजना के तहत निःशुल्क चप्पल प्रदान की जा रही है। श्री साय ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह की चिंता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2005 में इस योजना की शुरूआत की गई थी। हाल ही छह हजार से अधिक जोड़े इस योजना के अंतर्गत विवाह बंधन में बंधे, जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी स्थान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत नवदंपतियों को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता एवं 15 हजार रुपये का सामग्री सहयोग प्रदान किया जाता है। नक्सलवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सफल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। राज्य सरकार की आकर्षक पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50 हजार रुपये की सहायता तथा तीन वर्षों तक प्रति माह 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। अब तक 2,500 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। श्री साय ने बताया कि जगदलपुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा बस्तर पंडुम कैफे का सफल संचालन इसका सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि ह्यनियद नेल्ला नारह्ल योजना के अंतर्गत 17 शासकीय योजनाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया गया है, जिससे सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहे हैं। पर्यटन की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। चित्रकोट जलप्रपात, कुटुम्बसर गुफाएं, अबूझमाड़ के वन और धुड़मारास जैसे स्थल प्रदेश की पहचान हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु होम स्टे को उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिसके तहत ग्रामीणों को पांच कमरों तक निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं औद्योगिक विकास के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि नवा रायपुर में 100 एकड़ क्षेत्र में मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है, जहां निम्न आय वर्ग के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

एमसीबी में बिजली उपभोक्ता करीब 3 गुना, सिंचाई पंप 9 गुना बढ़े

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

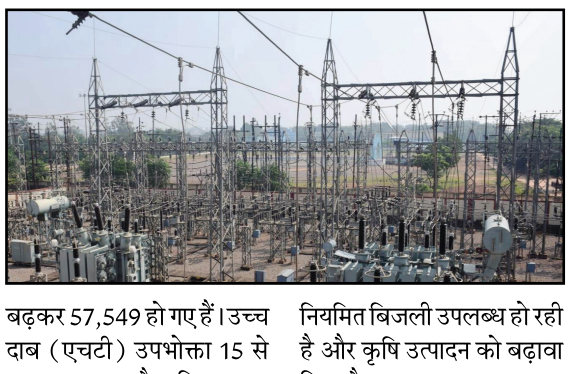

रायपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पिछले 25 वर्षों में बिजली व्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। वर्ष 2000 में अविभाजित कोरिया जिले का हिस्सा रहे इस क्षेत्र में अब विद्युत उपभोक्ताओं, उपकेंद्रों, ट्रांसफार्मरों और लाइनों के नेटवर्क में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इसका सीधा लाभ कृषि, उद्योग और घरेलू उपभोक्ताओं को मिला है। वर्ष 2000 में जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 6,228 वर्ग किमी था, जो 2022 में पृथक जिला बनने के बाद 4,227 वर्ग किमी रह गया। क्षेत्रफल कम होने के बावजूद बिजली सुविधाओं का विस्तार तेजी से हुआ है।

उपभोक्ता संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी

जिले में कुल विद्युत उपभोक्ता वर्ष 2000 में 21,209 थे, जो बढ़कर 57,549 हो गए हैं। उच्च दाब (एचटी) उपभोक्ता 15 से बढ़कर 37 और निम्न दाब (एलटी) उपभोक्ता 9,505 से बढ़कर 57,549 तक पहुंच गए हैं। बीपीएल कनेक्शन 3,562 से बढ़कर 22,679 हो गए हैं, जबकि घरेलू उपभोक्ताओं की संख्या 7,999 से बढ़कर 27,213 हो गई है।

कृषि क्षेत्र को मिली बड़ी राहत

सिंचाई पंप उपभोक्ताओं की संख्या 128 से बढ़कर 1,159 हो गई है, जो लगभग 9 गुना वृद्धि है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए नियमित बिजली उपलब्ध हो रही है और कृषि उत्पादन को बढ़ावा मिला है।

उपकेंद्र और ट्रांसफार्मर बढ़े

132/33 केवी उपकेंद्र 1 से बढ़कर 2 (चैनपुर और बहरासी) हो गए हैं। 33/11 केवी उपकेंद्र 4 से बढ़कर 13 हो गए। पावर ट्रांसफार्मर 5 से बढ़कर 17 और वितरण ट्रांसफार्मर 276 से बढ़कर 3,018 हो गए हैं। उच्च दाब लाइनें 734 किमी से बढ़कर 3,718 किमी और निम्न दाब लाइनें 368 किमी से बढ़कर 3,429 किमी तक पहुंच गई हैं।

सरगुजा ओलंपिक 12 विधाओं में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

जिले के समस्त विकासखंड से जूनियर वर्ग में 826 बालक व बालिका बने प्रतिभागी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के शा. आ. बालक उ.मा.विद्यालय स्टेडियम ग्राउंड में जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का भव्य आयोजन किया गया। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मराबी के मुख्य आतिथ्य में सरगुजा ओलंपिक जूनियर वर्ग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक भूलन सिंह मराबी,भीमसेन अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी व जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने गोला फेंक कर सरगुजा ओलंपिक खेल महाकुंभ की शुरुआत की और उपस्थित युवाओं का उत्साह वर्धन किया। इस खेल के महाकुंभ में जिले के समस्त विकासखंड से जूनियर वर्ग में 826 बालक व बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, शहर से लेकर ग्रामीण अंचल के प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ खेल का आनंद लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकगण को अपनी ओर आकर्षित किया।कार्यक्रम में उपस्थित श्री भूलन सिंह मराबी ने उपस्थित खेल प्रतिभागियो को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। खेलने से न केवल हमारा शरीर स्वस्थ और मज़बूत रहता है, बल्कि हमारा मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान बना रहता है। खेल हमें अनुशासन सिखाता है, समय पर उठना, नियमों का पालन करना और टीम के साथ मिलकर काम करना। जब कोई बच्चा मैदान में गिरकर फिर से उठकर दौड़ता है, तो वह अनजाने में जीवन का सबसे बड़ा सबक सीख रहा होता है कि हार के बाद भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। खेल हमें सहनशीलता, धैर्य और आत्मविश्वास जैसे गुण देता है जो किताबों से मिलना मुश्किल है। आज के समय में जब बच्चे और युवा मोबाइल और टीवी में उलझे रहते हैं, तब खेलों का महत्व और भी बढ़ जाता है। जो व्यक्ति नियमित रूप से खेलता है, वह शारीरिक रूप से तो चुस्त रहता ही है, साथ ही मानसिक रूप से भी मज़बूत होता है। इसीलिए कहा गया है, ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है।'' हमें अपने दैनिक जीवन में खेलों को उतना ही महत्व देना चाहिए जितना पढ़ाई-लिखाई को, क्योंकि खेल और शिक्षा मिलकर ही एक संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटेल ने उपस्थितजनों से कहा कि खेल चरित्र गढ़ने की सबसे अच्छी पाठशाला है। मैदान में जब कोई खिलाड़ी हारता है तो वह सीखता है कि हार को गरिमा के साथ कैसे स्वीकार करें। जब जीतता है तो समझता है कि घमंड नहीं करना चाहिए। टीम में खेलते हुए वह सीखता है कि अकेले नहीं, मिलकर आगे बढ़ना होता है। खेल हमें ईमानदारी सिखाता है। नियमों के भीतर रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ देना। जो बच्चा बचपन से खेल के मैदान में उतरता है, वह बड़ा होकर जीवन की हर चुनौती को खेल भावना से लेता है। उसमें धैर्य होता है, साहस होता है और दूसरों के प्रति सम्मान का भाव होता है। सच में कहें तो खेल वह गुरु है जो बिना कुछ कहे बहुत कुछ सिखा देता है। अंत में उन्होने प्रतिभागियों को अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की बात कही और उन्हे शुभकामनाएं दी। आज की प्रतियोगिता जूनियर वर्ग के लिए थी। जिसमें 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाएं प्रतिभागी रही, वहीं कल 13 फरवरी को जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक समापन दिवस पर सीनियर वर्ग अंतर्गत 17 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के महिला व पुरुष प्रतिभागी रहेगें। 12 विभिन्न खेल विधाओं में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती, कराते, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल, बास्केटबॉल व रस्साकस्सी इत्यादि खेल शामिल हैं। आज मैदान स्थल में प्रतिभागियों ने 100 मी., 200 मी., 400 मी. दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद शॉटपूट डिस्कस थ्रो, जैवलीन थ्रो, रिलेरेस, तीरंदाजी, बैंडमिंटन सिंगल डबल, खो-खो, बॉलीवाल, बास्केटबॉल जैसे खेलों मे उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया और दर्शको के मन मे अपना स्थान बनाया। अंतिम में प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी रहें विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार राशि व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में दर्शकगण, जनप्रतिनिधिगण, खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय व अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

5 दिन से लापता युवक का कुएं में तैरता मिला शव

0 इकलौते पुत्र की मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल 0 जांच में जुटी पुलिस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पिछले पांच दिनों से गायब 32 वर्षीय युवक का शव कुएं में तैरता पाया गया है। प्रथम दृष्टया मामला संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है। घटना शहर के वार्ड क्र 3 मिश्रगली में हुई है।कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बताया गया है कि मिश्रगली का 32 वर्षीय युवक रामकुमार देवांगन उर्फ बाऊ पिता रामप्यारी देवांगन बीते रविवार की सुबह घर से निकला था जिसके बाद से वह वापस घर नहीं लौटा। परिजनों ने युवक की अपने स्तर पर काफी तलाश की परंतु उसका कहीं पता नहीं चल सका, थके हारे परिजनों ने कोतवाली थाने ने गुमसुदगी की सूचना दर्ज कराई थी। गुरुवार को मोहल्ले में स्थित रामबिलास साहू का पुत्र मनोज अपने खेत मे लगे गेहूं की सिंचाई करने के लिए खेत मे पहुंचा तो उसने कुएं में शव

तैरता देखा जिसके बाद सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया और पंचनामा पश्चात शव का पीएम कराया गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। युवक हादसे का शिकार हुआ है या फिर कोई और वजह है पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। मृतक रामकुमार अपने माता पिता की इकलौती संतान था वहीं मृतक युवक के चार छोटे बच्चे भी है। अपने इकलौते पुत्र की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

बगड़ा के पंडो पारा में आयोजित हुई कृषि चौपाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र सिंह पाटले तथा उपसंचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा के निर्देशन में जिले के सभी विकासखण्डों के ग्रामों में कृषि विभाग द्वारा कृषि चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज प्रतापपुर विकासखंड के सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत बगड़ा के पंडो पारा में कृषि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आगामी ग्रीष्मकालीन मौसम में धान के रकबे को कम करने तथा जल संचयन के महत्व के संबंध में किसानों को जागरूक करना रहा। कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा किसानों को जल संरक्षण, फसल विविधीकरण एवं वैकल्पिक फसलों को अपनाने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। आयोजित चौपाल में विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा एफआरए (वनाधिकार) किसानों का सत्यापन कार्य भी किया गया। इस अवसर पर किसानों को प्राथमिकता से अपना अग्रिस्टैक पंजीयन कार्य पूर्ण

कराने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि भविष्य में उन्हें कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही कृषकों को निकटतम सहकारी समिति से रासायनिक खाद एवं बीज का अग्रिम उठाव सुनिश्चित करने की सलाह दी गई, जिससे समय पर खेती कार्य में कोई बाधा न आए। कार्यक्रम में सरपंच राम सिंह, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अभिषेक सिंह, परमेश्वर सिंह सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कृषि विभाग द्वारा इस प्रकार की चौपालों के माध्यम से किसानों को जागरूक कर आत्मनिर्भर एवं जल-संरक्षण आधारित खेती की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत की तैयारी को लेकर पुलिस के साथ हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के तत्वाधान में, वर्ष 2026 का पहला नेशनल लोक के सफल एवं प्रभावी आयोजन को सुनिश्चित करने आगामी 14 मार्च को आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण लोक अदालत की

तैयारियों को लेकर समस्त थाना प्रभारीयों के साथ बैठक सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस महत्त्वपूर्ण बैठक में प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डी.एस. बघेल, जिला पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुश्री पायल टोपनो, न्यायिक मजिस्ट्रेट, आशीष भगत, न्यायिक मजिस्ट्रेट, रूची मिश्रा, एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कु. हिमांशी सर्राफ उपस्थित रहे। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि 14 मार्च को आयोजित होने वाला नेशनल लोक अदालत वर्ष 2026 का पहला आयोजन है। उन्होंने इस नेशनल लोक अदालत हेतु प्राधिकरण एवं न्यायालयों द्वारा जारी होने वाले लोक अदालत की नोटिस एवं समंस की तामिली समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पक्षकारों को समय से नोटिस प्राप्त से न्यायालय तक आने-जाने एवं प्री-लिटीगेशने मामलों में लेन-देन वाले पक्षकारों को प्रकरण समाप्त करने हेतु उचित व्यवस्था करने का समय मिलता है, जिससे ज्यादा मामलों का निराकरण होने की संभावना बनती है। इस महत्त्वपूर्ण बैठक में नोटिस तामिली के साथ-साथ नेशनल लोक अदालत एवं मध्यस्थता अभियान के प्रचार प्रसार के संबंध में विशेष चर्चा हुई। आम नागिरिकों से अपील है कि 14 मार्च 2026 के नेशनल लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा उपस्थित होकर लोक अदालत का लाभ प्राप्त करें, लोक अदालत विवादों के निपटारे का वैकल्पिक माध्यम है, जहां श्रम, धन, की बचत होती है, वहीं लोगों के मध्य आपसी विवाद हमेशा के लिए समाप्त होने के साथ आपसी बैर की भावना हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है।

नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव
जिलाः जशपुर (छ.ग.)

प.क्र. 947 / लो.नि.शा. / न.पा. / 2025-26 पत्थलगांव, दिनांक 12 / 02 / 2026

ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि (रूपए लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
01	185484	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Pathalgaon, Chhattisgarh	51.28	38,000.00	10,000.00	27.02.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल https://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगरपालिका परिषद् पत्थलगांव
जिला जशपुर (छ.ग.)

नशेड़ी प्रधान पाठक निलंबित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर ब्लॉक के एक और प्रधान पाठक को निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्र के मुताबिक प्रतापपुर ब्लॉक के ग्राम बरबटिया के प्रधान पाठक विफल राम पैकरा पर आरोप है कि वे 8 फरवरी को नशे की हालत में स्कूल पहुँच कर एसआईआर काम मे लगे कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों से हुज्जत किया।

जिसकी शिकायत के बाद जांच की गई और प्रधान पाठक को नोटिस दिया गया था जिसका जवाब भी उन्होंने संतोषप्रद नही दिया जिसके बिना पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

शुद्धि पत्र - 1

ई-निविदा सूचना संख्याः 100-एसएनटी-परियोजना-निविदा-2026 **दिनांक : 20.12.2025.**
निविदा जमा करने की तिथि तथा समयः उपरोक्त निविदा संख्या में शुद्धि पत्र - 1 दिनांक 07.02.2026 को जारी किया गया है, निविदा खुलने के दिनांक में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजी.(परियोजना-II)
सीपीआर/10/एफएल/686 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

नेपाल बार्डर-बहराइच उत्तरप्रदेश से पकड़े गए धोखाधड़ी के 2 आरोपी

थाना प्रभारी व जेल अधीक्षक बताकर की है ठगी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्राम सिरसी के चिंतामणी बंजारे ने चौकी बसदेई में धोखाधड़ी करने संबंधी शिकायत पत्र दिया जिसकी जांच पर पाया गया कि आवेदक का लड़का अनिल बंजारे के विरूद्ध थाना गांधीनगर में धारा 22 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में जेल में निरूद्ध होने से अपराध से नाम हटवाने के नाम पर अज्ञात मोबाईल धारक के द्वारा खुद को थाना प्रभारी व जेल अधीक्षक बताते हुए धोखाधड़ी कर 75 हजार रूपये छलपूर्वक फोन-पे के माध्यम से लिया गया जो धारा 318(4) बीएनएस का अपराध घंटित करना पाए जाने पर चौकी बसदेई पुलिस द्वारा दिनांक 13.09.2025 को अज्ञात मोबाईल धारक के विरूद्ध अपराध क्रमांक 497/25 पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी बसदेई पुलिस ने आरोपी की

जानकारी हासिल कर तकनीकी मदद ली जो आरोपियों को उत्तरप्रदेश में होना पाया। आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी को पकड़ने चौकी बसदेई की पुलिस टीम गठित कर उत्तरप्रदेश के लिए रवाना किया। गठित टीम के द्वारा काफी पतासाजी के बाद बहराईच जिला उत्तरप्रदेश नेपाल बार्डर के पास में दबिश देकर आरोपी इमरान पिता समशेर उम्र 22 वर्ष एवं मोहम्मद आलम पिता नूर अली उम्र 29 वर्ष निवासी पेटरहा, थाना मोतीपुर, जिला बहराइच उत्तरप्रदेश को पकड़ा और दोनों को चौकी बसदेई लाया गया। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि प्रार्थी के मोबाईल में फोन कर धोखाधड़ी कर छलपूर्वक उसके लड़का को जेल से छुड़ाने के नाम पर 1 अन्य सहयोगी के साथ मिलकर 75 हजार रूपये की ठगी कर गुगल-पे में डलवाकर धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किए। आरोपियों से 2 नग मोबाईल, 8 नग सीम, 3 बैंक पासबुक, 1 एटीएम कार्ड व 1 चेकबुक जप्त कर दोनों को गिरफ्तार किया गया है।

कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, आरक्षक देवदत्त दुबे, नीलेश जायसवाल, युवराज यादव, रौशन सिंह, अशोक केंवट, राकेश सिंह, रामकुमार, आदित्य यादव, अशोक सिंह, भुनेश्वर सिंह व सैनिक अनिल विश्वकर्मा सक्रिय रहे।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई में ''फुटबॉल फॉर स्कूल्स'' में दिखा उत्साह

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ज़िले में फुटबॉल फॉर स्कूल्स कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, बसदेई, में किया गया। यह कार्यक्रम ज़िले के कुल 539 विद्यालयों तथा 75,000 से अधिक विद्यार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, शिवप्रसादनगर एवं पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, सूरजपुर के मध्य आयोजित मैत्री फुटबॉल मैच रहा। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन, एवं खेल भावना का परिचय

दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा रहे। विशिष्ट अतिथियों में एस. के. शुक्ला, एडीएसओ, अजीत प्रताप सिंह, प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय सूरजपुर तथा जेड. एच. सिद्दीकी, वरिष्ठतम शिक्षक उपस्थित रहे। अजय मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि फुटबॉल फॉर स्कूल्स जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता के विकास में सहायक सिद्ध होते हैं तथा इतने बड़े स्तर पर 539 विद्यालयों और 75,000 से अधिक विद्यार्थियों तक इसका लाभ पहुँचना जिले के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में 30 से अधिक विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल हुए। सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए विद्यालय स्तर पर खेल गतिविधियों को नियमित रूप से बढ़ावा देने पर बल दिया।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

पण्डो जनजाति के दर्जन भर लोगों की 27 एकड़ से अधिक भूमि पर प्रवासियों का कब्जा

बैठक में सामने आया-माफियाओं ने बाहर से गुंडा बुलवाकर जान से मरवाने की दी धमकी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत माजा में बीते दिवस पण्डो समाज के लोगों ने आपात बैठक आहूत की, जिसमें विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों की भूमि पर दिगर राज्यों से आए लोगों के द्वारा कब्जा करके घर बनाने के मसले को गंभीरता से लिया गया। इस दौरान सामने आया कि ग्राम राजाकटेल में झारखण्ड, बिहार से आए लोगों ने पण्डो जनजाति के 12 लोगों के लगभग 27 एकड़ जमीन पर बलूपर्वक कब्जा किया है, यहां करीब 150 घरों की बसाहट हो चुकी है, और लोग बसते जा रहे हैं। बाहरी लोगों के बसने से गांव का माहौल दूषित हो रहा है। इनके द्वारा पण्डो जनजाति के लोगों को कई तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है।

पण्डो परिवारों ने स्वयं के हक की भूमि को लूटने की शिकायत जिला प्रशासन तक की है, इधर कब्जा करने में लगे माफियाओं के द्वारा बाहर से गुंडा बुलाकर इन्हें जान से मारवाने की धमकी दी जा रही है। बैठक में पण्डो जनजाति के भयभीत ग्रामीणों को जांच टीम के समक्ष निर्भीक होकर बयान देने और अपने हक और न्याय के लिए हमेशा तत्पर रहने के लिए पण्डो जनजाति समाज कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने प्रेरित किया।

बैठक में समाज के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष उदय कुमार पण्डो, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवराम पण्डो, प्रदेश सह सचिव श्याम लाल पण्डो, संभागीय उपाध्यक्ष राजकुमार पण्डो के अलावा पण्डो समाज के वरिष्ठ माधव राम पण्डो, हीरालाल पण्डो, ग्राम पंचायत माजा के सरपंच गणेश पंडो, दरोगा पंडो, हृदय पंडो, संतोष, रामजीत, दादु, घुरउ, सुखराम, सुधियारो, शांति बाई, तीजो, धनेश्वरी, मनासो, गायत्री, सोनेया, बिरा बाई, शुंतला, ललिता सहित ग्राम राजाकटेल से पण्डो समाज के काफी संख्या में महिला-पुरूष उपस्थित थे।

सनमान पण्डो बने कार्यवाहक अध्यक्ष

बैठक के दौरान पण्डो समाज के लोगों के बीच संगठनात्मक शक्ति का विस्तार करने के लिए पण्डो जनजाति समाज कल्याण समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष का मनोनयन किया गया। कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सनमान पण्डो को सौंपी गई है, इनसे पण्डो जनजाति के ग्रामीणों के हक की लूटी गई जमीन की लड़ाई में पूरे छत्तीसगढ़ के पण्डो समाज के साथ मजबूती से आगे आने का आह्वान किया गया।

समस्याओं से प्रशासन को कराएंगे अवगत

एक दिवसीय बैठक और जन-जागरूकता कार्यक्रम में पण्डो समाज के लोगों से समाज को नशामुक्त करने, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता की धारा से जोड़ने और शासकीय योजनाओं का लाभ उठाने का आव्हान किया गया। विषम परिस्थितियों में टोल फ्री नंबर 108, 102, 112, 1099 का लाभ लेने की जानकारी दी गई। बाल विवाह नहीं करने, जंगल क्षेत्र में नया अतिक्रमण, जंगल की कटाई नहीं करने और जंगल को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों, आग से बचाने जागरूक किया गया। बाहरी लोगों के द्वारा मारपीट, जमीन हथियाने जैसी घटना होने पर समय रहते ग्राम पंचायत, थाना में शिकायत करने और समाज प्रमुखों को इसकी जानकारी देने के लिए कहा गया। इस दौरान गांव में कई प्रकार की समस्याएं भी सामने आई, इस ओर जिला प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराने का निर्णय लिया गया है।

पण्डो परिवार की भूमि, घर-बाड़ी इनके कब्जे में

पण्डो समाज की रतियानो पति अर्जुन पण्डो 60 वर्ष के 01 एकड़ जमीन पर कब्जा करके झारखंड बिहार के कबीर खान ने घर बनाया है। वहीं हीरामती पिता भोंदू पण्डो 35 वर्ष के 01 एकड़ जमीन पर खुर्शीद खान, बेचन पण्डो पिता कंवरू 50 वर्ष के 01 एकड़ जमीन पर सधुरन खान, लाल गुलाब पण्डो पिता धीरसाय 55 वर्ष के 03 एकड़ जमीन पर फिर मोहम्मद, मुख्तार, गुलबहार, जमील, समीन और शकील, रतन पण्डो पिता बिफन पण्डो 55 वर्ष के 02 एकड़ जमीन पर खुर्शीद खान, नेसार, जहूर, महताब खान एवं सुल्तान, फूलसुंदरी पति नोहरसाय पण्डो के 1.5 एकड़ जमीन पर जमील खान, टुकली, मुन्ना पण्डो पिता स्व. कालीचरण पण्डो 50 वर्ष के लगभग 04 एकड़ जमीन पर रजाक खान सहित अन्य, शिवनारायण पिता स्व. गेंदूराम पण्डो के 02 एकड़ जमीन पर कुर्बान एवं रज्जाक, बोधन पण्डो पिता परशुराम पण्डो 65 वर्ष के 02 एकड़ जमीन पर हुसैन, सहाजेन खान, शकील, बलजीत मझवार पिता रूपसाय 35 वर्ष के 1.5 एकड़ जमीन पर हुसैन का कब्जा है। लोकनाथ पण्डो पिता विफन पण्डो 60 वर्ष के 05 एकड़ जमीन पर कबीर, असलम, सद्दाम कब्जा करके खेती-किसानी कर रहे हैं। सालन पण्डो पिता रोनहा पण्डो 30 वर्ष के 03 एकड़ जमीन पर बने घर और बाड़ी तक को जैनूल, शमीम के द्वारा बलपूर्वक लूटने का आरोप लगा है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के हमर लैब में रिएजेंट की कमी हुई दूर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध चिकित्सालय के हमर लैब अंतर्गत बायोकैमिस्ट्री विभाग में पिछले कुछ महीनों से रिएजेंट की अनुपलब्धता के कारण मरीजों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर ओपीडी, वाह्य रोगी विभाग में आने वाले मरीजों की आवश्यक जांच सुविधाएं बाधित हो रही थी और उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। चिकित्सालय में भर्ती मरीजों की जांच निर्बाध रूप से चल रही थी।

बता दें कि कई बार समाचार की सुर्खियों में मामला आने के बाद भी रिएजेंट की कमी को दूर कर पाने में प्रबंधन नाकाम था। इसके पीछे कारण उच्च स्तर से रिएजेंट की सप्लाई नहीं होना भी था। पूर्व में अंबिकापुर प्रवास के दौरान प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री तक के संज्ञान में रिएजेंट की अनुपलब्धता से मरीजों को होने वाली दिक्कतों को लाया गया था, इसके बाद भी हाथ खड़ा करने जैसी स्थिति बन रही थी। इसका प्रभाव ओपीडी में आने वाले मरीजों पर अधिक पड़ रहा था, और वे जांच के लिए निजी लैबों की ओर रूख करने के लिए विवश थे। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध अस्पताल प्रबंधन ने गुरूवार को रिएजेंट की कमी दूर होने की जानकारी दी है, और कहा है कि हमर लैब के बायोकैमिस्ट्री विभाग में सभी आवश्यक जांच पुन: नियमित रूप से प्रारंभ कर दी गई है। अब अस्पताल में आने वाले सभी ओपीडी एवं आईपीडी मरीजों की जांच में असुविधा नहीं होगी, मरीजों को जांच हेतु बाहर भटकना नहीं पड़ेगा और समय पर जांच एवं उपचार संभव होगा। चिकित्सालय प्रबंधन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि भविष्य में रिएजेंट की कमी जैसी स्थिति न बने, इसके लिए नियमित आपूर्ति एवं स्टॉक मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुदृढ़ करेगा। अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या ने कहा है कि स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशानुसार मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना संस्थान की प्राथमिकता है, सभी विभागों में सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, आरोपी जेल दाखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना धौरपुर पुलिस टीम ने शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रार्थिया ने 12 फरवरी को थाना धौरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि ग्राम करौली थाना धौरपुर निवासी विकास हसदा शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया, और अब शादी करने से इंकार कर रहा है। प्रार्थिया के रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी विकास हसदा पिता शिवब्रत हसदा 25 वर्ष निवासी करौली थाना धौरपुर को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी धौरपुर उप निरीक्षक अश्वनी दीवान, सहायक उप निरीक्षक रामधनी राम, प्रधान आरक्षक अमरसाय मिंज, आरक्षक प्रदीप बखला, अनिल बड़ा, सुशील मिंज पंकज देवांगन सक्रिय रहे।

शासकीय मल्टीपरपज विद्यालय में वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के प्रतिष्ठित एवं 112 वर्ष पूर्ण कर चुके प्राचीनतम विद्यालय शासकीय बहुउद्देशीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर में 11 फरवरी को वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने मंच पर इन्द्रधनुष के रंगों की छटा बिखेरी।

मुख्य अतिथि अभिमन्यु गुप्ता अध्यक्ष एसएमडीसी, विकास पाण्डेय सचिव एसएमडीसी, रूपेश दुबे, संजीव वर्मा, बबली नेताम, सीमा कश्यप रहे। दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ, इसके बाद स्वागत नृत्य प्रस्तुत किए गए। उप प्राचार्य शैलेन्द्र सिंह सेंगर ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं ने समूह नृत्य में विभिन्न संस्कृति से जुड़े नृत्य के माध्यम से विविधता में एकता का संदेश देते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रमी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों एवं शिक्षकों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने अभिवादन में मुख्य अतिथि ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा प्रदर्शित नैतिक मूल्यों, आदर्शों तथा सम-सामयिक विषयों की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और सह-पाठ्यक्रमी उपलब्धियों के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी और कहा कि विद्यालय से शिक्षा प्राप्त भूतपूर्व छात्र आज विभिन्न उच्च पदों पर देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके साथ ही छात्रों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अंत में प्राचार्य एडवर्ड टोप्पो द्वारा अतिथियों, प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यक्रम प्रभारी प्रकाश कुमार एक्का, मंच संचालन में चेतना पाठक की अहम भूमिका रही। इस दौरान एनसीसी अधिकारी नवनीत त्रिपाठी, रश्मि नंदे, गीता बंजारे, सपना कर, ममता शुक्ला, प्रीति मिश्रा, आराधना टोप्पो, रूही कश्यप, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति में कुसुम गुप्ता, क्षमा शर्मा, शशि ठाकुर, सीमा कश्यप, खेल गतिविधियों में विकास सिंह, रमेश राय, फलेंद्र साहू, संतोष साहू, राजेश अम्बष्ट, अनिल विश्वकर्मा, रिजवान खान एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

गैरेज का ताला तोड़कर सामानों की चोरी करने वाला पकड़ाया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना कोतवाली पुलिस टीम ने गैरेज से चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करके लगभग 39 हजार रुपये का सामान बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक नवागढ़ निवासी मुसर्रफ अली 12 फरवरी को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि रायगढ़ रोड़ अंबिकापुर में उसका गैरेज दुकान है। 09 फरवरी को रात करीब 09 बजे वह अपने दुकान में ताला बंद करके घर चले गया था। 11 फरवरी को सुबह 10 बजे दुकान आया तो ताला टूटा हुआ था। दुकान के अंदर रखा गाड़ी बनाने वाला रिंच पाना, रिंग प्लेट पाना, 03 छोटा जैक, छोटा गोटी सेट, स्टेयरिंग पम्प, हाइड्रोलिक जैक, टैपेनियन 2 नग, हथौड़ी 01 नग, पेचकस 7 नग पाइप रिंच 2 नग, फिल्टर पाना 2 नग, टामिन 03 नग, साकेट, गोटी सेट कम्प्लीट, सलाई रिंच 01 नग नहीं था। मामले में प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया और मुखबिर से मिली सूचना पर नवागढ़ मझलीपीढ़ निवासी अहमद अंसारी से उक्त सामान बरामद कर लिया, जिसे वह अपने घर में छिपाकर रखा था। आरोपी को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, प्रधान आरक्षक सूरज राय, आरक्षक अमित विश्वकर्मा, दीपक पाण्डेय, देवेंद्र पाठक, दीपक दास सक्रिय रहे।

केंद्रीय बजट 2026-27 पर भाजपा महिला मोर्चा की संवाद बैठक संपन्न

महिलाओं के उत्थान, आर्थिक सशक्तिकरण और सुरक्षा पर बजट प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संकल्प भवन भाजपा जिला कार्यालय में केंद्रीय बजट 2026-27 के परिप्रेक्ष्य में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा महिला संवाद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह एवं वक्ता के रूप में निष्ठा पांडेय उपस्थित रहीं। बैठक में केंद्रीय बजट 2026-27 में महिलाओं के उत्थान, आर्थिक सशक्तिकरण, स्वरोजगार, कौशल विकास एवं सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्य वक्ता फुलेश्वरी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह बजट महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाला है। केंद्र सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, लघु एवं कुटीर उद्योगों में प्रोत्साहन देने, स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने तथा मातृ-स्वास्थ्य और पोषण संबंधी योजनाओं के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध है और यह बजट उसी संकल्प को मजबूत करता है। अध्यक्षीय संबोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 समाज के प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा की जिम्मेदारी है कि बजट की महत्वपूर्ण जानकारियों को घर-घर तक पहुंचाया जाए, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संवाद और जनजागरूकता अभियान के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। वक्ता निष्ठा पांडेय ने कहा कि यह बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला संकल्प पत्र है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, स्वरोजगार, डिजिटल सशक्तिकरण एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रावधान महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे समाज की बहनों को इन योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर महापौर मंजूषा भगत, जिला महामंत्री अरुणा सिंह, महिला मोर्चा ज़िलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े, नीलू गुप्ता, प्रियंका चौबे, किरन मिश्रा, शकुंतला पांडेय, सुषमा गुप्ता, पूनम मिश्रा, अल्पना मिश्रा, रीना भारती, अनुराधा गोस्वामी, गुंजन सिंह, कौशलया राजवाड़े, प्रभा यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

आवारा पशुओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए गौशाला संचालन पर जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर तहसील में गौ पालन के लिए गौशाला संचालन हेतु बैठक का आयोजन छत्तीसगढ़ गौसेवा आयोग सरगुजा के जिला सदस्य यतेन्द्र पान्डेय के निवास में हुआ। बैठक में उन्होंने कहा कि गौ सेवा आयोग छत्तीसगढ़ में गौशाला गौधान संचालित कर रहा है। आप सभी लोग अपने-अपने क्षेत्रों में गौशाला संचालन करें। बैठक में गौसेवा आयोग लखनपुर के अध्यक्ष मदन राजवाड़े ने गौ-पालन पर जोर दिया। गौसेवा आयोग लखनपुर के सदस्य मनमोहन राजवाड़े, सुरेश गुप्ता, भोला यादव, राहुल सिंह, रिषभ पटेल, सत्यनारायण साहू, छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के सचिव सुरेन्द्र साहू इस मौके पर उपस्थित रहे। बीडी साहू जिला पशु चिकित्सक द्वारा गौपालन और गौशाला, गौधान निर्माण संबंधी पूरी जानकारी प्रदान की। गौशाला संचालन करने हेतु लगने वाले विभिन्न कागजातों से विस्तार पूर्वक अवगत कराया और सरगुजा जिले में अधिक से अधिक गौशाला संचालन करने पर जोर दिया, जिससे आवारा पशु पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान के सचिव सुरेन्द्र साहू ने मुख्य मार्गों में घुमंतू आवारा पशुओं के गले में रेडियम पट्टा लगाने पर जोर दिया, जिससे पशु दुर्घटना कम हो सके। बैठक में लखनपुर में बन रहे गौठानों का जायजा लेने का निर्णय लिया गया।

ट्रेक्टर की ठोकर से स्कूली छात्र की हुई थी मौत, चालक के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन कुसमी। बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत गलफुल्ला नदी से पहले मोटरसायकल सवार स्कूली छात्रों को ठोकर मारने वाले ट्रेक्टर चालक के विरूद्ध पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने ट्रेक्टर को अपने कब्जे में ले लिया है। दुर्घटना में मोटरसायकल चला रहे छात्र की मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक घटना दिनांक 10 फरवरी को थाना क्षेत्र के ग्राम भवानीपुर निवासी फुलकेश्वर राम का कक्षा 11वीं में पढ़ने वाला पुत्र सतीश कुमार रोजाना की तरह बालक स्कूल में पढ़ाई करने गया था। स्कूल से छुट्टी होने के बाद सतीश अपने दोस्त रूपदेव के साथ मोटरसायकल से घर जा रहा था, इसी दौरान भुरसापारा में गलफुल्ला नदी से 100 मीटर पहले लाल रंग के महिन्द्रा ट्रेक्टर का चालक तेज गति में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए इन्हें सामने से ठोकर मार दिया और ट्रेक्टर को वहीं छोड़कर भाग गया। बैंक में केवाईसी के लिए गए फुलकेश्वर राम को इसका पता चला और वह मौके पर पहुंचा तो सतीश और रूपदेव सड़क के किनारे गिरे पड़े थे, गांव के कई लोग वहां एकत्र हो गए थे। सतीश कुमार को हादसे में गंभीर चोट आई थी और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई थी, मोटरसायकल में पीछे बैठे रूपदेव मुईहर को भी चोट लगा था, जिसे कुसमी अस्पताल से प्राथमिक चिकित्सा के बाद चोट ज्यादा होने के कारण चिकित्सक ने अंबिकापुर रेफर कर दिया। दुर्घटनाकारित ट्रेक्टर राजेश्वर गुप्ता का था, जिसे चालक एक्सीडेंट के बाद मौके पर छोड़कर भाग गया था। पुलिस ने फुलकेश्वर राम की रिपोर्ट पर ट्रेक्टर चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है।

विदेशी मदिरा दुकानों को बंद रखने आदेश जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अजीत वसंत द्वारा छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोजित मैनपाट महोत्सव 13, 14 एवं 15 फरवरी को कानून व्यवस्था एवं लोक शांति को दृष्टिगत रखते हुए रोपाखार मैनपाट में संचालित एफ एल-1 घघ-कम्पोजिट (कम्पोजिट विदेशी मदिरा दुकान रोपाखार) विदेशी मदिरा दुकान को पूर्णत: बंद रखने हेतु उपरोक्तानुसार दिवसों को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। घोषित शुष्क दिवस में मदिरा का विक्रय एवं परिवहन परोसना पूर्णत: बंद रहेगा। उन्होंने इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किए जाने कहा है।

स्वयंसेवकों में स्वयं कार्य करने की इच्छा, सेवा भाव, राष्ट्रप्रेम का भाव होना जरूरी-कुलपति

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय के रासेयो इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगवां परिसर में 12 फरवरी को शुरू हुआ, जो 18 फरवरी तक चलेगा। कार्यक्रम का परिचय देते हुए कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक ने कहा कि यह शिविर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। आने वाले सात दिनों में हम सभी विभिन्न रचनात्मक, शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे तथा सेवा भावना को व्यवहार में उतारने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके अतिथियों ने किया। शिविर के उद्घाटन दिवस पर मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र लाकपाले कुलपति संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा ने अपने उद्बोधन में शिविरार्थियों से कहा कि आपको शिविर में बहुत सारे अनुभव होंगे, शिविर के दौरान हमें ग्रामीण परिस्थितियों के बारे में पता चलेगा। स्वयंसेवक में स्वयं कार्य करने की इच्छा, सेवा भाव, राष्ट्रप्रेम का भाव हो तो वे कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान समाज से होती है, साथ ही समाज में जो चीजें होती हैं जो कार्य करते हैं, उसी से हमारा नाम होता है। उन्होंने समाज को नशामुक्त करने के प्रयास पर बल देते हुए सात दिवसीय विशेष शिविर के सफल होने की शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि रामलखन पैंकरा प्रदेश महामंत्री जनजाति गौरव समाज ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं है, हमें हर समय हर परिस्थिति में सीखने का प्रयास करते रहना चाहिए। डॉ. एस.एन. पाण्डेय कार्यक्रम समन्वयक संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय ने कहा सात दिवसीय विशेष शिविर का थीम स्वभाव, स्वच्छता, संस्कार है, इसे हमें साकार करना है। शिविर के दौरान हमें ग्रामीणों के समस्याओं को जानना है ओर उनकी मदद करना है। उन्होंने कहा कि योग प्राणायाम को अपने दैनिक जीवन में शामिल करना है, यदि हम स्वस्थ हैं तो हर कार्य बेहतर कर सकते हैं। नियमित योग करें, सही आहार लें। युवा देश के भविष्य होते हैं इसीलिए युवा में वह ऊर्जा होनी चाहिए जो समाज को बदलने में सफल हो। अनिल सिंह मेजर उपाध्यक्ष सरस्वती शिशु मंदिर समिति ने कहा कि शिविर के लक्ष्य को हमें हासिल करना है। नशामुक्ति एवं स्वच्छता को हर घर तक पहुंचाना है, हमें समाज की सेवा करना है, और हमें अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करना है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ जिम्मेदारी पूरा करें, इससे बड़ी देश की सेवा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि युवा देश की रीढ़ की हड्डी हैं। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने सात दिवसीय शिविर के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी, और उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रतिमा त्रिपाठी सह-व्यवस्थापिका सरस्वती शिशु मंदिर समिति, बसंत कुमार गुप्ता पूर्व व्यवस्थापक, संजीव सिंह प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरगवां, शरद खरे, मनीष ली के अलावा महाविद्यालय से सहायक प्राध्यापक प्रियलता जायसवाल, सविता यादव, सीमा बंजारे, पूजा रानी, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह, नितेश कुमार यादव, सुन्दर राम एवं स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर